



पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन  
एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर  
डुमना एयरपोर्ट रोड, पो.ऑ. खमरिया,  
जबलपुर - 482 005

वार्षिक प्रतिवेदन  
2012-2013

## विषय सूची

क्र. विवरण	पेज नं.
1. निदेशक का प्रतिवेदन	1
2. संस्थान	5
3. गवर्नेन्स	6
(अ) संचालक मंडल	6
(ब) वित्त समिति	7
(स) विद्या परिषद (सीनेट)	8
(द) भवन एवं निर्माण समिति	12
4. अकादमिक/प्रशासनिक कर्मचारी	13
(अ) संकाय सदस्य	13
(ब) विजिटिंग फैकल्टी	19
(स) अनुसंधान अभियन्ता	19
(द) कार्यालय प्रशासन	20
5. शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियाँ	24
(अ) शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियाँ	24
(ब) अनुसंधान परियोजनाएँ	30
(स) अनुसंधान प्रकाशन	32
6. दीक्षान्त समारोह 2012	39
7. पुस्तकालय	42
8. विद्यार्थी जीवन	46
9. विद्यार्थी उत्सव एवं कार्यक्रम	50
10. आईआईआईटीडीएम जबलपुर एवं जापान सहभागिता	54
11. अमादा विनिर्माण नवप्रवर्तन केन्द्र	57
12. संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम	58
13. आधारभूत संरचना विकास	62
14. वर्ष 2012-13 में उपलब्ध उपकरण	67
15. वार्षिक लेखा	70
16. उपलब्ध निधि एवं वहन किये गये खर्च का विवरण	74
17. वार्षिक अंकेक्षण प्रतिवेदन	75
18. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 : प्रतिवेदन	80



## निदेशक का प्रतिवेदन

तकनीकी विकास एवं उच्चतर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के वर्तमान युग में नवप्रवर्तन का अहम योगदान है। पिछले दशक में बहुत से ऐसे अनुसंधान हुये, जिन्होंने संचार एवं सम्पर्क के तरीकों में महत्वपूर्ण परिवर्तन किये जिससे विश्व भर में मानव जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि हुई। इन नवप्रवर्तनों के महत्व को समझते हुए अभिकल्पन के व्यवसायकों एवं शिक्षकों ने पाठ्यक्रम में ऐसे तत्वों का समावेश किया जोकि छात्रों एवं नव व्यवसायकों को उत्पाद एवं यंत्रों की अभिकल्पना को नए रूप से करने हेतु प्रेरित करें। आधुनिक विनिर्माण अभिकल्पन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी युक्त सेवाओं जैसे विभिन्न प्रकार के क्षेत्रों की पार-विषयक गतिविधियों पर बल देता है, अतः यह स्पष्ट है कि इन तत्वों को अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम एवं अनुसंधान क्षेत्र में शिक्षण संस्थानों में स्थान देना आवश्यक है। वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों को सुगम पथ एवं प्रतिस्पर्धी लाभ दे सकने योग्य पारविषयक ज्ञान को एकीकृत करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी युक्त अभिकल्पन एवं विनिर्माण की शिक्षा प्रदान करने हेतु सन् 2005 में पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर की स्थापना की।



शुरुआत से ही इस मूलभूत लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अभिकल्पन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण को केन्द्र में रखते हुए संस्थान अभिकल्पन सृजनात्मक एवं अन्य गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु, आर्थिक लाभ में वृद्धि हेतु एवं भारत के ज्ञानशक्ति के रूप में उभरने के उद्देश्य में सार्थक रूप से योगदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में संस्थान अपनी अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को इस तरह प्रवाहित कर रहा है कि विभिन्न विचार मस्तिष्क में ही न रहकर भूतल पर आ सकें। पिछले वर्ष में संस्थान ने अनुसंधान एवं विकास, प्रयोगशाला स्थापन, आधारभूत संरचना विकास एवं विभिन्न प्रमुख शैक्षणिक पाठ्यक्रमों एवं गतिविधियों में अच्छी उन्नति की है। मैं वर्ष 2012-13 में हुई इन सभी उपलब्धियों एवं उन्नतियों को व्यक्त करते हुए प्रसन्नता महसूस करती हूँ।

## स्नातक एवं अनुसंधान प्रयोगशालायें

अमादा नवप्रवर्तन केन्द्र की स्थापना संस्थान परिसर में 5 दिसंबर 2012 को अमादा कम्पनी द्वारा उपहारस्वरूप प्रदान की गई दो विनिर्माण कला मशीनों के साथ हुई। ये मशीनें भारत सरकार एवं जापान सरकार के मध्य हुए सहभागिता समझौते के तहत प्रदान की गई हैं। इन दो सी एन सी मशीनों के आ जाने के पश्चात् संस्थान में विनिर्माण सुविधाओं में वृद्धि हुई है, अब संस्थान में सी एन सी लेथ, मिलिंग, पंचिंग, बैंडिंग मशीन, एब्रेजिव वाटर जेट मशीन, रैपिड प्रोटोटाइपिंग मशीन, इलेक्ट्रिक डिस्चार्ज मशीन, इंजेक्शन मोल्डिंग मशीन उपलब्ध हैं।

इसके अतिरिक्त संस्थान में पदार्थ परीक्षण एवं उनके वर्गीकरण हेतु प्रयोगशाला भी उपलब्ध है। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि जबलपुर एवं आसपास के सरकारी एवं निजी संस्थानों के विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य भी इन सभी सुविधाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। निकट भविष्य में हमारी महत्वाकांक्षी योजना यह है कि इन सभी मशीनों एवं इनके अतिरिक्त अन्य उच्च गुणवत्ता के यंत्रों के संदर्भ में नये स्नातकों एवं औद्योगिकी प्रशिक्षुओं को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाए जोकि वर्तमान में अतिआवश्यक है।

उत्तम प्रशिक्षण एवं स्वाध्याय का वातावरण तैयार करने के प्रयास में स्नातक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटेशन प्रयोगशालाओं को नये सॉफ्टवेयर डिजाइन, विश्लेषण एवं फ़ैब्रीकेशन सुविधाओं एवं सिनाप्सिस, सिल्वाको, टी.सी.ए. डी. जैसे सॉफ्टवेयर उपकरणों एवं वैक्टर नेटवर्क एनालाइजर्स, स्पेक्ट्रम एनालाइजर्स एवं रैपिड पी.सी.बी.



प्रोटोटाइपिंग मशीन से सुसज्जित किया गया है। इसके अतिरिक्त वी एल एस आई, संचार, इन्फ्रारेड इमेजिंग, सिग्नल सिस्टम्स एवं कन्ट्रोल अभियांत्रिकी के क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान सुविधायें विकसित की गई हैं।

मैकेट्रॉनिक्स के क्षेत्र में परास्नातक पाठ्यक्रम शुरू करने के साथ रोबोटिक्स एवं ऑटोमेशन के क्षेत्र में अनुसंधान गतिविधियों ने नया जोर पकड़ा है एवं मैकेट्रॉनिक्स लैब अंतर्विषयक प्रयोगशालाओं में सर्वाधिक उपयोगी साबित हुई हैं।

फैब्रिकेशन उपकरणों से सुसज्जित अभिकल्पन प्रयोगशाला में हाल ही में लेजर कटिंग मशीन भी शामिल हो गई है। यह उल्लेखनीय तथ्य है कि संस्थान में अभिकल्पन शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत पर्याप्त संख्या में संकाय सदस्य उपलब्ध हैं।

### अनुसंधान

मैं यह व्यक्त करते हुए गर्व महसूस करती हूँ कि जहाँ संस्थान ने सन् 2009 में केवल 27 शोध पत्र प्रकाशित किये थे, वहीं 2012-13 में संस्थान ने 187 शोध पत्र प्रकाशित किये हैं, जोकि एक अच्छी उपलब्धि है। विश्व के एक बहुत बड़े शोध साहित्य के डाटाबेस को प्रकाशित करने वाले डाटाबेस - स्कोपस से ये सूचनायें ली गई हैं। यह संस्थान के छात्रों एवं संकाय सदस्यों के समर्पित भाव से किये गये प्रयासों का परिणाम है।

संस्थान की शोध की गुणवत्ता सही मायनों में यह बतलाती है कि संस्थान में कैसा अनुसंधान हो रहा है। यह हमारे लिए हर्ष का विषय है कि शोध अभियंताओं एवं संकाय सदस्यों के प्रयासों से स्थापित हुए सक्रिय अनुसंधान समूह, वर्ष भर संगोष्ठियां, कार्यशालायें, विशेष व्याख्यान, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाना निश्चित हुआ है। इन अनुसंधान समूहों में स्नातक, स्नातकोत्तर के विद्यार्थी शामिल हैं।

इस वर्ष संकाय सदस्यों के द्वारा अच्छी संख्या में अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य हुआ है। मैं यहाँ पर अनुसंधान एवं विकास घटकों को समाहित करने वाली दो परियोजनाओं के बारे में बताना चाहूँगी। एक परियोजना ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड द्वारा संस्थान को दी गई है जिसमें कि संस्थान को परीक्षण के तौर पर कुछ डिजाइन इंप्रूवमेंट करने हैं। दूसरी परियोजना में भारी वाहनों के लिए स्वचालित नो एन्ट्री सिस्टम बनाने का कार्य जबलपुर पुलिस विभाग द्वारा दिया गया है। वर्तमान समय में दोनों परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है एवं संस्थान स्तर पर इन्हें मुख्य परियोजनाओं के तौर पर लिया गया है। एक अन्य परियोजना जोकि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई है जिसमें कि मस्तिष्क नियंत्रित व्हील चेयर कम कीमत पर स्वदेशी तकनीक से निर्मित करनी है। नाभिकीय विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बी आर एन एस) प्रदत्त परियोजना में हमारे संकाय सदस्य डाईलेस विनिर्माण तकनीक को विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं।

### अकादमिक

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर का चतुर्थ दीक्षांत समारोह 25 अगस्त 2012 को संपन्न हुआ। समारोह में भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाकार कार्यालय में कार्यरत वैज्ञानिक सचिव एवं संस्थान के संचालक मण्डल के अध्यक्ष प्रो. श्री एस. वी. राघवन ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। 132 स्नातक, 14 परास्नातक एवं 1 शोध उपाधि इस समारोह में प्रदान की गई। निदेशकीय स्वर्ण पदक कुमारी गौरी दानी को सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण दक्षता हेतु एवं चेयर मैन्स स्वर्ण पदक कुमारी कोमल धवन को स्नातक में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक योग्यता हेतु प्रदान किया गया।

शैक्षणिक आजीविका को चुनने के उद्देश्य से छात्र प्रायः परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेते हैं। यद्यपि सामाजिक परिस्थितियों के कारण समयावधि की समाप्ति तक काफी छात्र अन्य प्रकार के व्यावसायिक क्षेत्रों को चुन लेते हैं। हमने हमारे उन्नत एवं प्रतिभाशाली छात्रों के लिए एक ऐसा द्विउपाधि पाठ्यक्रम इस वर्ष से शुरू किया है, जोकि छात्रों को परास्नातक एवं शोध उपाधि एक साथ प्रदान करे। इस कार्यक्रम से प्रतिभाशाली छात्र अनुसंधान में जुटेंगे। वह परास्नातक विद्यार्थी जिसमें





अनुसंधान योग्यताएं होंगी वह अपने आपको परास्नातक से द्विउपाधि कार्यक्रम में स्थानांतरित कर सकता है। हमारी अनुसंधान गतिविधियों का क्षेत्र विस्तृत करने के उद्देश्य से हमने भौतिकी एवं गणित विषयों में भी शोध उपाधि पाठ्यक्रम प्रारंभ किया है।

जापानी दूतावास में निरंतर प्रयास करने के परिणाम स्वरूप अंततः हमने एक जापानी भाषा के अध्यापक श्री अकिओ हागा को विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में संस्थान सेवा में लिया है, उनकी धर्मपत्नी श्रीमति इजुमी हागा की भी सेवायें प्राप्त हो रही हैं जोकि जापानी चित्रकला एवं संस्कृति के क्षेत्र की विशेषज्ञ हैं। वह आर्ट एवं एस्थेटिक्स के पाठ्यक्रम के अध्यापन में स्नातक स्तर पर योगदान करेंगी।

### संकाय सदस्य

संस्थान के संकाय सदस्य किसी भी संस्थान हेतु संपूर्ण शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों के केन्द्र होते हैं। पिछले एक वर्ष में चार शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। जिन्होंने संस्थान में अध्यापन कार्य शुरू कर दिया है इस तरह संकाय सदस्यों की संख्या 36 हो गई है। हमारे दो संकाय सदस्य डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव एवं डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय अपना पोस्ट,डॉक्टरल अनुसंधान कार्य भारत-अमेरिका अनुसंधान छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अकृति पूरा करके संस्थान में वापस आ गये हैं। डॉ. निहार रंजन जेना को क्वीन्सलैण्ड विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया द्वारा भारत-आस्ट्रेलिया अतिथि छात्रवृत्ति पुरस्कार (2012-13) से सम्मानित किया गया है। यह हर्ष का विषय है कि डॉ. सचिन कुमार जैन को पॉस्को शक्ति तंत्र पुरस्कार (पी पी एस ए 2013) से सम्मानित किया गया है, यह पुरस्कार शक्ति क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य हेतु दिया जाता है। डॉ. जैन ने अपना अनुसंधान कार्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से किया है। वह संस्थान में शोध अभियंता के रूप में कार्यरत हैं। संस्थान के विभिन्न संकाय सदस्यों ने अपने शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किये हैं। संस्थान के संकाय सदस्यों के अथक प्रयासों के फलस्वरूप संस्थान के द्वारा प्रकाशित शोध पत्रों की संख्या 100 के ऊपर पहुंच गई है।

### कार्यशालायें/संगोष्ठी/प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान में आयोजित संगोष्ठी एवं कार्यशालायें निम्नानुसार हैं :-

1. अभिकल्पन एवं विनिर्माण में नवप्रवर्तनों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : 05 - 07 दिसंबर 2012  
संयोजक : प्रो. पुनीत टंडन  
सह संयोजक : प्रो. विजय कुमार गुप्ता एवं डॉ. पवन कुमार कौंकर
2. अभिकल्पन कार्यशाला 2012 : 05-07 दिसंबर 2012  
संयोजक : प्रो. विजय कुमार गुप्ता  
सहसंयोजक : डॉ. प्रशांत कुमार जैन
3. ग्राफ एवं ज्योमेट्रिक एल्गोरिदम विषय पर अनुसंधान प्रोत्साहन कार्यशाला :  
एन.बी.एच.एम. द्वारा वित्त पोषित यह कार्यशाला डॉ. प्रीति खन्ना, डॉ. श्रवण कुमार मोहन्ती, टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, बॉम्बे के प्रो. सुबीर कुमार घोष, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खडगपुर के प्रो. सुदेबकुमार प्रशांतपाल ने सम्मिलित रूप से आयोजित की।
4. मध्य प्रदेश क्षेत्र के शिक्षकों एवं शोधार्थियों हेतु संस्थान ने एन.पी.टी.ई.एल. कार्यशाला 31 मार्च 2012 से 1 अप्रैल 2012 तक आयोजित की यह एन.पी.टी.ई.एल. विषय वस्तु को प्रोत्साहित करने हेतु अपने प्रकार की मध्य प्रदेश में पहली कार्यशाला थी। 27 संस्थानों के 200 से ज्यादा व्यक्तियों ने इसमें भाग लिया। संयोजक - डॉ. सात्यकि राय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर एवं प्रो. तनुजा शेवड़े, आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर।
5. पंडित द्वारका प्रसाद मिश्रा भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर, ने 13-15 जुलाई 2012 तक 'तरंगिका एवं उसके अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।



संयोजक : डॉ. प्रीति खन्ना, डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय, डॉ. पवन कुमार काँकर

6. कम्प्यूटर जागरूकता हेतु संस्थान ने सरकारी कर्मचारियों एवं मध्य प्रदेश सरकार के कर्मचारियों हेतु सितम्बर 2012 से फरवरी 2013 तक पांच कार्यक्रम आयोजित किये। मध्य प्रदेश सरकार ने अपने कर्मचारियों एवं अधिकारियों को सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों एवं उनके अनुप्रयोगों में कौशल प्रदान करने हेतु इस कार्यक्रम को शुरू किया इस क्रम में संस्थान को 160 व्यक्तित्वों के प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई।

संयोजक डॉ. प्रीति खन्ना

7. इलेक्ट्रॉनिक अभिकल्पन बेसिक्स : 3-7 मई 2012

संयोजक : प्रो. प्रवीण नेमिनाथ कोंडेकर एवं डॉ. जवर सिंह

8. वर्चुअल प्रयोगशाला पर कार्यशाला : 18-19 दिसंबर 2012

संयोजक : प्रो. तनुजा शेवड़े एवं प्रो. विजय कुमार गुप्ता

### आधारभूत संरचना विकास -

पिछले वर्ष से ही आधारभूत संरचना का विकास तेजी से हो रहा है। 12 छोटी एवं बड़ी परियोजनाएं केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा ली गई हैं एवं वर्ष 2013-14 तक आशा है कि संकाय सदस्यों के आवास हेतु 110 फ्लैट, अतिथि विश्राम गृह, लेक्चर हॉल एवं ट्युटोरिअल कॉम्प्लेक्स का निर्माण शीघ्र ही सम्पन्न होगा। आगे 2013-14 के अंत तक सड़कों के निर्माण का प्रथम चरण पूर्ण हो जाएगा। 1000 के.वी.ए. के डी.जी. की स्थापना पूर्ण होने को है। स्नात्कोत्तर छात्रावास हॉल-7 का निर्माण शुरू हो रहा है। मुख्यतया बास्केट बॉल कोर्ट का निर्माण 2013 तक पूर्ण हो रहा है जिससे कि छात्र अपने पहले इन्डोर कॉम्प्लेक्स में खेल पायेंगे।

### विद्यार्थी:-

संस्थान के छात्र अपना एक विशिष्ट स्थान रखते हैं। वे अनुसंधान एवं विकास की परियोजनाओं पर सार्थक रूप से कार्य करते हैं। यह हर्ष का विषय है कि बड़ी हुई अनुसंधान सुविधाओं में स्नातक छात्रों का शोध कार्य उल्लेखनीय रहा है। हमारे छात्र अपनी मेहनत एवं योग्यताओं के फलस्वरूप विभिन्न फेलोशिप प्राप्त करते रहे हैं। इस वर्ष जापान सरकार द्वारा दीपक केशवानी, विक्रान्त उपाध्याय एवं संतोष मोर्य को एम.ई.एक्स.टी. फेलोशिप 25 जुलाई 2013 को प्रदान की गई।

इन सभी शैक्षणिक उपलब्धियों के अतिरिक्त, छात्रों ने परिसर को जीवनीय भावनाओं से ओतप्रोत किया है। सांस्कृतिक महोत्सव तरंग 2013 मध्य प्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय उत्सव रहा जिसमें विभिन्न प्रदेशों से छात्रों ने उपस्थिति दर्ज की। तरंग 2013 के अतिरिक्त तकनीकी महोत्सव अभिकल्पन 2013 एक महान उपलब्धि रही जिसमें विभिन्न राज्यों के महाविद्यालयों एवं संस्थानों ने भाग लिया। स्पिक-मैके की गतिविधियों ने भी संस्थान में जोर पकड़ा चूँकि संस्थान इसका एक सदस्य है। छात्रों ने विभिन्न क्लबों की स्थापना की है।

संस्थान की उन्नति एवं उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा आगे के खण्डों में दिया गया है।



## संस्थान

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर की स्थापना मध्य प्रदेश सोसायटी पंजीयन अधिनियम 1973 के तहत 24 जनवरी 2005 को जबलपुर में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई। संस्थान की आधारशिला तत्कालीन संघीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह के कर कमलों द्वारा 7 फरवरी 2005 को रखी गई। संस्थान का प्रथम शैक्षणिक सत्र अगस्त 2005 में शुरू हुआ। प्रारम्भ में संस्थान ने जबलपुर अभियांत्रिकी महाविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी भवन में अस्थाई तौर पर अपना संचालन शुरू किया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के निदेशक प्रो. संजय गोविन्द धांडे को नये संस्थान के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किया गया, संस्थान के लिये उपयुक्त भूमि के चुनाव का कार्य शुरू हुआ जहां पर संस्थान का निर्माण हो सके। डुमना विमानतल के निकट 250 एकड़ का एक भूखण्ड चयनित किया गया जिसे संस्थान को मध्य प्रदेश शासन ने 3 मई 2006 को प्रदान किया। प्रथम चरण का निर्माण कार्य 2007 में शुरू हुआ। वर्तमान में संस्थान डुमना विमानतल मार्ग, जबलपुर स्थित अपने प्रांगण से संचालित है। वर्तमान में कुछ भवनों का निर्माण कार्य सम्पन्न हो चुका है एवं कुछ का कार्य प्रगति पर है। प्रारंभ से संस्थान ने कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग (सी एस ई), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ई सी ई) एवं मैकेनिकल अभियांत्रिकी (एम ई) में प्रौद्योगिकी स्नातक, परास्नातक एवं शोध पाठ्यक्रम में शिक्षा प्रदान की है। संस्थान ने प्रौद्योगिकी परास्नातक एवं शोध उपाधि कार्यक्रम उपरोक्त तीनों विषयों में 2006 एवं 2007 में शुरू किये। इसके अतिरिक्त संस्थान अभिकल्पन, गणित एवं भौतिकी में शोध उपाधि एवं अभिकल्पन एवं मैकेट्रॉनिक्स में परास्नातक उपाधि भी प्रदान करता है।

## विजन

पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर ऐसा संस्थान है जोकि अभिकल्पन एवं विनिर्माण के क्षेत्र में पार-विषयक, नवप्रवर्तन कारी, भविष्योन्मुखी एवं गतिशीलता को समाहित करने वाले अध्यापन, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं शिक्षण के वैश्विक ज्ञान केन्द्र के रूप में उभरे।

## उद्देश्य

उच्च गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान एवं प्रशिक्षण का वातावरण निर्माण करना जोकि :

- उत्कृष्ट क्षमता वाले व्यक्तियों को अधिकतम अवसर प्रदान करे एवं रचनात्मक विकास करे।
- वास्तविक जीवन की कठिनाइयों को हल करने योग्य अंतर्विषयक ज्ञान का निर्माण करे।
- महज कक्षा शिक्षा के द्वारा ज्ञान संचरण के स्थान पर अनुसंधान एवं अनुभव द्वारा सीखने हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करना।

## मूल्य

संचालित गतिविधियों को जारी रखने के अलावा संस्थान इस प्रकार कार्य करना चाहता है जिसमें गहरी जुड़ी साझा मूल्यों की भावनाओं का मार्गदर्शन और भविष्य की योजनाएं हो। ऐसे मजबूत संदर्भ के अन्तर्गत कार्य करते हुए संस्थान:

- ऐसा सार्थक शैक्षणिक समुदाय प्रदान करना जो बौद्धिक एवं रचनात्मक जोखिम ले और पारविषयी एवं भविष्य दृष्टिकोण द्वारा परिवर्तनों को शामिल करे जिससे भविष्य में प्रौद्योगिकीय नवाचार एवं विकास का नेतृत्व हो।
- सीखने, शिक्षण, छात्रवृत्ति, अनुसंधान और रचनात्मक गतिविधियों में उच्च प्रदर्शन की बौद्धिक जिज्ञासा में वृद्धि करना एवं शैक्षिक स्वतंत्रता के मूलभूत नियमों को संरक्षित रखकर पहचानना, प्रोत्साहित करना और सम्मानित करना।
- ऐसा वातावरण प्रदान करना जिसमें प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति, संस्कृति एवं मानव मूल्यों के प्रति सम्मान हो।
- जाति, लिंग, जन्मस्थान, धर्म एवं क्षेत्र विशेष के भेद से मुक्त सहिष्णुतापूर्ण एवं तार्किक वातावरण तैयार करना जिससे संस्थान के प्रत्येक सदस्य का जीवन मूल्य एवं व्यक्तिगत आत्मसम्मान का उन्नयन हो तथा वे संस्थान परिसर में उन्नत सामाजिक वातावरण निर्मित करें।



## गवर्नन्स

यह संस्थान मानव संसाधन विकास मंत्रालय के द्वारा एक मेमोरेण्डम ऑफ एसोसियेशन के नियमों के अंतर्गत संचालित है।  
एम ओ ए के अंतर्गत संस्थान की प्रशासनिक संरचना निम्नवत है:-

1. संचालक मंडल (बी ओ जी )
2. वित्त समिति (एफ सी )
3. विद्या परिषद (सीनेट)
4. भवन एवं निर्माण समिति (बी डबल्यू सी )

### संचालक मंडल (बी ओ जी )

#### सदस्य का नाम

#### पदनाम

प्रो. एस वी राघवन

अध्यक्ष

वैज्ञानिक सचिव, प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय,  
भारत सरकार

श्री आशीष कुमार चौहान  
मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सी ई ओ  
बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज

सदस्य

प्रो. यू बी देसाई  
निदेशक

सदस्य

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद

श्री डी एम गुप्ता

सदस्य

आइ ओ एफ एस (सेवानिवृत्त)

भूतपूर्व डी जी ओ एफ एवं अध्यक्ष, आर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड

प्रो. अशोक झुनझुनवाला

सदस्य

प्राध्यापक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास

श्री अमित खरे (भा प्रा से)

सदस्य (पदेन)

संयुक्त सचिव (प्रशासनिक ब्यूरो)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

डॉ. अजय कुमार (भा प्रा से)

सदस्य

संयुक्त सचिव

इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

प्रो. प्रदीप माथुर

सदस्य

निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर

प्रो. अपराजिता ओझा

सदस्य (पदेन)

निदेशक

पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर







## विद्या परिषद (सीनेट)

सदस्य का नाम	पदनाम
प्रो. अपराजिता ओझा निदेशक पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम. जबलपुर	अध्यक्ष
डॉ. सुनील अग्रवाल विषय प्रमुख (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
श्री एस एम अमाने ए जी एम, टाटा मोटर्स	सदस्य
डॉ. एम अमरनाथ सहायक प्राध्यापक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
प्रो. वी एम गद्रे प्राध्यापक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बाम्बे	सदस्य
डॉ. अतुल गुप्ता सह प्राध्यापक (कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
प्रो. विजय कुमार गुप्ता अधिष्ठाता (शैक्षणिक) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
डॉ. प्रशांत कुमार जैन सह प्राध्यापक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम. जबलपुर	सदस्य
प्रो. वी क जैन प्राध्यापक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर	सदस्य
डॉ. पवन कौंकर सहायक प्राध्यापक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम. जबलपुर	सदस्य
डॉ. प्रीति खन्ना विषय प्रमुख (कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
प्रो. उदय खेड़कर प्राध्यापक (कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बाम्बे	सदस्य



प्रो. प्रवीण नेमिनाथ कोंडेकर प्राध्यापक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
डॉ. लोकेन्द्र कुमार सहायक प्राध्यापक पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
डॉ. आशीष कुमार कुन्डू विषय प्रमुख (प्राकृतिक विज्ञान) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
डॉ. प्रवीर मुखोपाध्याय सहायक प्राध्यापक (अभिकल्पन) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
डॉ. प्रवीन कुमार पाधी सह प्राध्यापक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
प्रो. तनुजा शेवड़े अधिष्ठाता (छात्र) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
प्रो. पुनीत टंडन अधिष्ठाता (नियोजन एवं विकास) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
डॉ. दिनेश कुमार विश्वकर्मा विषय प्रमुख (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग) पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य
डॉ. पराग व्यास ग्रु बार डिजाइन, इंदौर श्री संतोष महोबिया सहायक कुलसचिव पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर	सदस्य कार्यकारी सचिव

वर्ष 2012-13 में विद्या परिषद की तीन सभायें एवं दो विशेष सभायें आयोजित की गईं।



### विद्या परिषद (सीनेट) की स्थायी समितियाँ

#### विद्या परिषद की स्नातक समिति (यूजीसीएस)

1. प्रो. विजय कुमार गुप्ता	-	संयोजक
2. डॉ. प्रबीन कुमार पाधी	-	सदस्य
3. डॉ. प्रीति खन्ना	-	सदस्य
4. डॉ. आशीष कुमार कुन्डू	-	सदस्य
5. डॉ. गौतम दत्ता	-	सदस्य
6. श्री आदित्य कुमार शर्मा	-	छात्र सदस्य
7. श्री अभिषेक कुमार	-	छात्र सदस्य

#### विद्या परिषद की स्नातकोत्तर समिति (पीजीसीएस)

1. प्रो. विजय कुमार गुप्ता	-	संयोजक
2. प्रो. पुनीत टंडन	-	सदस्य
3. डॉ. प्रबीन कुमार पाधी	-	सदस्य
4. डॉ. श्रबन कुमार मोहन्ती	-	सदस्य
5. श्री दिव्यांशु पटेल	-	छात्र सदस्य
6. श्री कुलदीप बड़ेरिया	-	छात्र सदस्य

#### विद्या परिषद की छात्र पुरस्कार प्रदायिनी समिति (एसपीएसीएस)

1. डॉ. सुनील अग्रवाल	-	संयोजक
2. डॉ. गौतम दत्ता	-	सदस्य
3. डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय	-	सदस्य

#### विद्या परिषद की विद्यार्थी सलाहकार समिति (एसएसीएस)

1. प्रो. तनुजा शेवड़े	-	संयोजक
2. डॉ. लोकेन्द्र कुमार	-	सदस्य
3. डॉ. अनिल कुमार	-	सदस्य
4. डॉ. श्रबन कुमार महान्ती	-	सदस्य
6. प्रो. प्रवीण नेमिनाथ कोंडेकर	-	सदस्य
7. श्री स्नेहिल विश्वकर्मा	-	छात्र समन्वयक (काउन्सिलिंग)
8. श्री विकास कुमार मालवीय	-	छात्र सदस्य (स्नातकोत्तर)
9. श्री कविती केशव कुमार	-	छात्र सदस्य (स्नातक)





### विद्या परिषद पुस्तकालय समिति (एलसीएस)

1. डॉ. दिनेश कुमार विश्वकर्मा	-	संयोजक
2. प्रो. तनुजा शेवड़े	-	सदस्य
3. डॉ. अतुल गुप्ता	-	सदस्य
4. डॉ. मुकेश कुमार रॉय	-	सदस्य
5. डॉ. भूपेन्द्र गुप्ता	-	सदस्य
6. डॉ. अनिल कुमार	-	सदस्य
7. डॉ. प्रवीर मुखोपाध्याय	-	सदस्य
8. डॉ. ममता आनंद	-	सदस्य
9. सुश्री मेनिका पटेल	-	सहायक पुस्तकालयाध्यक्षा
10. श्री बालासुन्दरेशन	-	स्नातक छात्र प्रतिनिधि
11. श्री सौरभ तिवारी	-	स्नातकोत्तर छात्र प्रतिनिधि



### भवन एवं निर्माण समिति

#### सदस्य का नाम

प्रो. अपराजिता ओझा

निदेशक

पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर

श्री आलोक मिश्रा

निदेशक (तकनीकी)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

भारत सरकार

इं. डी के पाण्डेय

एस ई, मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र

विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड, जबलपुर

इं. पी आर पाटिल

अधीक्षण अभियन्ता,

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सी जेड), भोपाल

प्रो. जी के शर्मा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधी नगर

प्रो. पुनीत टंडन

अधिष्ठाता (नियोजन एवं विकास)

पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर

श्री आर पी द्विवेदी

उप कुलसचिव

पी.डी.पी.एम. आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर

#### पदनाम

अध्यक्ष (पदेन)

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सचिव (पदेन) एवं  
सम्पत्ति अधिकारी



## अकादमिक/प्रसाशनिक स्टाफ

### संकाय सदस्य

संस्थान सदैव से संकाय सदस्यों के चयन में विशेष रूप से ध्यान देता आया है ताकि देश में उपलब्ध सर्वाधिक प्रतिभाशाली व्यक्तियों का ही चयन हो सके। संकाय सदस्य संख्या वर्तमान में 36 हो गई है एवं 7 शोध अभियन्ता भी हैं जोकि संस्थान के शैक्षणिक एवं अनुसंधान कार्यक्रमों में योगदान कर रहे हैं। संस्थान ने अन्य संस्थान या संगठनों के व्यक्तियों को भी अतिथि शिक्षक के रूप में विभिन्न विशेष विषय वस्तुओं पर या पाठ्यक्रमांश के रूप में या दोनों के रूप में व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया।

संकाय सदस्यों, शोध अभियन्ताओं एवं उनकी विशेषज्ञता का विवरण निम्नानुसार है:-

नाम	प्रोफेशनल विवरण प्राध्यापक	कार्यक्षेत्र एवं विशेषज्ञता
 प्रो. अपराजिता ओझा निदेशक	रा.दु.वि.वि., जबलपुर से शोध उपाधि, रा.दु.वि.वि. जबलपुर में भूतपूर्व प्राध्यापक, भूतपूर्व निदेशिका, इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन।	ज्योमेट्रिक मॉडलिंग, कम्प्यूटर एडेड ज्योमेट्रिक डिजाइन, फाइनाइट एलीमेन्ट्स, स्पलाइन थ्योरी, एप्रोक्सीमेशन थ्योरी, वेवलेट एनालिसिस, ऑब्जेक्ट ओरियन्टेड/एस्पेक्ट ओरियन्टेड मॉडलिंग एण्ड डिजाइन, विजुअल क्रिप्टोग्राफी, पाथ प्लानिंग
 प्रो. पुनीत टंडन	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से शोध उपाधि	योमेट्रिक मॉडलिंग फॉर डिजाइन, इंजीनियरिंग एण्ड मैनुफैक्चरिंग, कॉन्सेप्चुअल डिजाइन, प्रोजेक्ट इनोवेशन, डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट, मेकाट्रॉनिक्स, रेपिड प्रोटोटाइपिंग एण्ड टूलिंग, रिवर्स इंजीनियरिंग, एन सी प्रोग्रामिंग, टूल डिजाइनिंग इत्यादि
 प्रो. तनुजा शेवडे	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से शोध उपाधि	एल्गोरिदम डेवलपमेंट एण्ड न्यूमेरिकल एनालिसिस, मेथामेटिकल मॉडलिंग ऑफ फ्लो थु पोरॉस मीडिया, डोमेन डिफिनेशन एण्ड पैरलल कम्प्यूटेशन, इग्जास्त ईमिशन कंट्रोल फ़ॉर ऑटोमोबाइल



प्रो. विजय कुमार  
गुप्ता

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
बाम्बे से शोध उपाधि

स्मार्ट स्ट्रक्चर, मशीन डिजाइन,  
फाइनाइट एलीमेन्ट मेथड्स



प्रो. प्रवीण नेमिनाथ  
कोंडेकर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
बॉम्बे से शोध उपाधि

इलेक्ट्रॉनिक सर्किट डिजाइन,  
वीएलएसआई डिजाइन क्लमोस्ट  
लेवलस, डिवाइस सिमूलेशन एण्ड  
मॉडलिंग, आर एफ आईडेंटिफिकेशन,  
आर एफ पावर सेमीकन्डक्टर एण्ड  
मॉडलिंग

### सहप्राध्यापक



डॉ. प्रीति खन्ना

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से  
शोध उपाधि

कम्प्यूटर ग्राफिक्स, ज्योमेट्रिक  
मॉडलिंग, डाटाबेस मैनेजमेंट  
सिस्टम्स, बायोमेट्रिक्स, डेटा स्ट्रक्चर



डॉ. अतुल गुप्ता

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, ऑब्जेक्ट  
ओरियन्टेड सिस्टम्स, इम्पीरियल  
सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर  
टेस्टिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग  
एजुकेशन



डॉ. प्रवीण कुमार  
पाथी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
गुवाहाटी से शोध उपाधि

ऑटोमेटिक कन्ट्रोलर ट्यूनिंग,  
आइडेन्टीफिकेशन एण्ड कन्ट्रोल ऑफ  
प्रोसेसेस



डॉ. सुनील अग्रवाल

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

प्रोडक्सन एण्ड ऑपरेशन मैनेजमेंट,  
प्रोबेबिलिटी एण्ड स्टेटिक्स, टाइम  
सिरीज एनालिसिस एण्ड क्वालिटी  
कन्ट्रोल





डॉ. प्रशान्त  
कुमार जैन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
दिल्ली से शोध उपाधि

रेपिड प्रोटोटाइपिंग टूलिंग  
सीएनसी मशीनिंग, ज्योमेट्रिक  
मॉडलिंग, कैड/कैम इन्टीग्रेशन,  
कम्प्यूटेशनल ज्यामेट्री, डिजाइन  
ऑटोमेशन नैनो टेक्नोलॉजीस इन  
मैनुफैक्चरिंग

### सहायक प्राध्यापक



डॉ. सुबीर सिंह  
लाम्बा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

पैरेलल कम्प्यूटिंग, कम्प्यूटेशनल  
फ्लीड डायनेमिक्स, हाइपरबोलिक  
आईबीवीपी, स्पेक्ट्रल मेथड



डॉ. मुकेश कुमार  
रांय

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

फॉर्मेशन एण्ड कैरेक्टराइजेशन आफ  
मैग्नेटिक नैनो पारटिकल्स, मैग्नेटिक  
मल्टीलेयर, (iii) इमीस्काइबल  
मैग्नेटिक एलॉय, लो कॉस्ट साइंस  
टीचिंग मैथडोलोजीस



डॉ. राजीव  
कुमार झा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
खड़गपुर से शोध उपाधि

वीडियो इंडेक्सिंग, मोशन डिटेक्शन  
यूजिंग ऑप्टिकल फ्लो, इमेज वॉटर  
मार्किंग, स्टीग्नोग्राफी, स्टॉकास्टिक  
रेजोनेन्स फॉर इमेजेस, इमेज  
इनहैन्समेंट यूजिंग मल्टीरिटिनेक्स  
एण्ड न्यूली डेवेलप्ड हाई पास  
फिल्टरिंग एप्रोच



डॉ. भूपेन्द्र गुप्ता

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

रेन्डम ग्राफ्स एण्ड इट्स एप्लीकेशन्स,  
स्टाकेस्टिक प्रोसेस, प्रोबेबिलिटी  
थ्योरी



डॉ. एम. रवि बाबू

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
दिल्ली से शोध उपाधि

मटेरियल एनालिसिस बाय थर्मिनल  
वेव इमेजिंग, ऑप्टिकल टेक्नोलोजीस  
फॉर नॉनडिस्ट्रक्टिव मेजरमेंट्स,  
अल्ट्रासोनिक इमेजिंग, रेडियोग्राफी,  
इन्स्ट्रुमेंटेशन फॉर नॉन-डिस्ट्रक्टिव  
मेजरमेंट



डॉ. लोकेन्द्र  
कुमार

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

रेपिड प्रोटोटाइपिंग टूलिंग  
सीएनसी मशीनिंग, ज्योमेट्रिक  
मॉडलिंग, कैड/कैम इन्टीग्रेशन,  
कम्प्यूटेशनल ज्यामेट्री, डिजाइन  
ऑटोमेशन नैनो टेक्नोलॉजीस इन  
मैनुफैक्चरिंग



डॉ. राजेश कुमार  
पाण्डेय

प्रौद्योगिकी संस्थान  
काशी हिंदू विश्वविद्यालय,  
वाराणसी से शोध उपाधि

वेवलेट एनालिसिस, न्यूमेरिकल  
एनालिसिस



डॉ. आशीष कुमार  
कुण्डू

ज एन सी ए एस आर से  
शोध उपाधि

ठोस अवस्था भौतिकी



डॉ. गौतम दत्ता

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
बॉम्बे से शोध उपाधि

कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स  
हीट ट्रांसफर, दू फेस फ्लो  
इन्स्टैबिलिटी एनालिसिस,  
न्यूक्लीयर कपल्ड थर्मल  
हाईड्रोलिक इन्स्टैबिलिटी  
एनालिसिस



डॉ. एच. चेलादुरई

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

कन्डीशन मॉनीटरिंग, वर्चुल  
इन्स्ट्रुमेन्टेशन एण्ड आर्टीफिशियल  
न्यूरल नेटवर्क



डॉ. दिनेश कुमार  
विश्वकर्मा

भारतीय विज्ञान संस्थान,  
बैंगलूर से शोध उपाधि

एनालिटिकल एण्ड एफडीटीडी  
मॉडलिंग, एन्टेना एनालिसिस एण्ड  
डिजाइन, माइक्रोवेव इंजीनियरिंग,  
एप्लाइड फोटोनिकस, फाइबर  
ऑप्टिक कम्युनिकेशन



डॉ. एम.  
अमरनाथ

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
मद्रास से शोध उपाधि

कन्डीसन मॉनीटरिंग एण्ड फॉल्ट  
डिटेक्सन इन रोटेटिंग मशीनरी,  
अकॉस्टिक्स एण्ड वाइब्रेशन  
एनालिसिस, लुब्रीकेशन ऑयल  
ट्रिबोलोजी, नॉन डिस्ट्रक्टिव टेस्टिंग



डॉ. आशुतोष  
श्रीवास्तव

जादवपुर विश्वविद्यालय से  
शोध उपाधि

माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स/वीएलएस  
आई सिलीकॉन  
डिडेक्टर्स/एमईएमएस



डॉ. अनिल कुमार

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
रुड़की से शोध उपाधि

सॉलिड स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स  
मैटेरियल (सेमीकन्डक्टर डिवाइस  
एण्ड मैटेरियल सेमीकन्डक्टर  
मैटेरियल एण्ड टेक्नोलॉजी सॉलिड  
स्टेट डिवाइस एण्ड  
टेक्नोलॉजी)



डॉ. प्रबीर  
मुखोपाध्याय

लिमेरिक विश्वविद्यालय,  
आयरलैण्ड से शोध उपाधि

इन्जरी प्रिडिक्सन, इण्डस्ट्रीयल  
इरगोनोंमिक्स, ऑकुपेशनल  
इरगोनोंमिक्स, इरगोनोंमिक्स इन  
इम्प्लोयिंग प्रोडक्टिविटी,  
ट्रान्सपोर्टेशन इरगोनोंमिक्स, मैकरो  
इरगोनोंमिक्स, कॉर्गरेटिव  
इरगोनोंमिक्स



डॉ. अरुण कुमार  
मोहन्ती

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, गुवाहाटी से  
शोध उपाधि

कम्प्यूटर साइंस एण्ड  
इंजीनियरिंग



डॉ. ममता  
आनन्द

वनस्थली विद्यापीठ से  
शोध उपाधि

अमेरिकन ट्रांसेन्डेन्टिज्म, इण्डियन  
स्पीजवचुआलिज्म, जेन्डर स्टडीज,  
कल्चरल स्टडीज, कॉन्सेप्ट ऑफ  
ह्यूमन आइडेन्टिटी





डॉ. पवन कुमार  
काँकर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
रुड़की से शोध उपाधि

वाइब्रेशन, कन्डीसन मॉनिटरिंग,  
नॉनलाइनर डायनेमिक्स, सॉफ्ट  
कम्प्यूटिंग



डॉ. निहार रंजन  
जेना

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय  
से शोध उपाधि

डीएनए डायनामिक्स, डीएनए-प्रोटीन  
इन्टेरेक्सन, एन्जाइम कैटालिसिस,  
प्रोटीन-इन्हीबिटर बाइन्डिंग एण्ड ड्रग  
डिजाइन



डॉ. जवर सिंह

ब्रिस्टल विश्वविद्यालय,  
यूके से शोध उपाधि

वीएलएसआई, लो पॉवर सिस्टम  
डिजाइन, नैनो-सीएमओएस एण्ड  
टीएफईटी एसआरएएम्स, प्रोसेस  
वैरियेशन एण्ड फॉल्ट टोलेरेंट  
एसआरएएम डिजाइन, स्टेटिकसयल  
एनालिसिस आफ प्रोसेस वैरियेसन्स  
इन नैनो-सीएमओएस डिवाइस



डॉ. विनय कुमार  
सिंह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
कानपुर से शोध उपाधि

सॉलिड स्टेट डिवाइस एवं ऑरगेनिक  
इलेक्ट्रॉनिक्स



डॉ. बृजेश पाण्डेय

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, बॉम्बे से शोध  
उपाधि

हाई स्पीड सीमोस एनालोग एवं आर  
एफ इंडीग्रेटेड सर्किट एवं सिस्टम, लो  
पावर मिक्सड सिग्नल सर्किट फार  
वीएलएसआई, ई एस डी एवं इनपुट  
आउटपुट सर्किट इस्यूज नोबल  
डिवाइस स्ट्रक्चर फॉर वीएलएसआई  
अनुप्रयोग



डॉ. सुजॉय मुखर्जी

भारतीय विज्ञान संस्थान,  
बैंगलूर से शोध उपाधि

स्ट्रक्चरल डायनेमिक्स, स्मार्ट  
मैटेरियल्स एवं स्ट्रक्चर्स





डॉ. अमरेश चंद्र  
मिश्रा

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, खड़गपुर से  
शोध उपाधि

चुंबकीय थिन फिल्मस, सॉफ्ट चंबकीय  
पदार्थ, चुंबकीय ट्रांसपोर्ट फिनोमेना



श्री टी.वी.के. गुप्ता

### विजिटिंग फॅकल्टी

भारतीय प्रौद्योगिकी  
संस्थान, कानपुर से  
पीएचडी कर रहे हैं,  
एम टेक

कैड, कैम, रिवर्स इंजीनियरिंग,  
एब्रासिव वाटर जेट, मशीनिंग,  
सीएनसी, रेपिड प्रोटोटाइपिंग



श्री के. के.  
बालाकृष्णन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
गुवाहाटी से पी एच डी  
कर रहे हैं, एम डेस

इण्डस्ट्रीयल डिजाइन, सस्टेनिबल  
डिजाइन, प्रोडक्ट सर्विस सिस्टम, आर्ट  
एण्ड डिजाइन



श्री अयदेश कुमार  
सिंह

### अनुसंधान अभियंता

ए आई टी थाईलैंड  
से प्रौद्योगिकी  
परास्नातक

मैकाट्रॉनिक्स, डिजाइन ऑफ  
एमईएमएस ड्रिवाइसेस



श्री के. सौन्द्रा  
पान्डियन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,  
पटना से पी एच डी  
कर रहे हैं, बी ई

इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन,  
इन्स्ट्रुमेंटेशन, एम्बेडेड प्रोग्रामिंग,  
मैकाट्रॉनिक्स



डॉ. सचिन  
कुमार जैन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स  
कानपुर से शोध उपाधि



श्री डी. एस.  
रामटेके

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मशीन डिजाइन, रोटार डायनामिक्स  
गुवाहाटी से प्रौद्योगिकी  
परास्नातक



श्री बी. मुखर्जी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स  
बॉम्बे से पीएचडी कर रहे हैं।



श्री साकेत सौरव

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी  
विश्वविद्यालय, भोपाल  
से अभियांत्रिकी स्नातक

रोबोटिक्स, एम्बेडेड सी/सी++एण्ड  
वीबी/वीबी डॉट नेट प्रोग्रामिंग



मोहम्मद शारिक  
हुसैन

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी  
विश्वविद्यालय, भोपाल  
से अभियांत्रिकी स्नातक

डाटाबेस मैनेजमेन्ट सिस्टम

### कार्यालय प्रशासन

#### प्रथम श्रेणी अधिकारी



कर्मल (सेवानिवृत्त) पी. एस. संघु  
बी.ई., एम.पी.एम., एम.सी.ई.एम.ई.,  
आई.एम.सी.सी.

कुलसचिव  
(1 जुलाई 2012 तक)



श्री आर. पी. द्विवेदी  
एम.सी.ए., एम.पी.एम., एल.एल.बी.

उप कुलसचिव  
सामान्य प्रशासन  
वित्त एवं लेखा  
सम्पत्ति अधिकारी



श्री विजय कुमार दुबे  
बी ई (सिविल), एम बी ए

कार्यपालक अभियंता (सिविल)  
(सी पी डब्ल्यू डी से प्रतिनियुक्ति पर)



श्री प्रबोध पाण्डेय  
एम एस सी , एम पी एम

सहायक कुलसचिव  
सामान्य प्रशासन  
स्थापना  
जन सूचना अधिकारी  
राजभाषा अधिकारी



श्री नरेश जोशी  
एम एस सी

सहायक कुलसचिव  
आंतरिक लेखा परीक्षण  
वित्त एवं लेखा



श्री रिजवान अहमद  
एम एस सी  
पीजीडीएचआरएम

सहायक कुलसचिव  
क्रय एवं भण्डार



श्री जी. रवि कुमार  
एम एस सी

सहायक कुलसचिव  
(9 अगस्त 2012 तक)



श्री संतोष महोबिया  
एम बी ए

सहायक कुलसचिव  
शैक्षणिक, विद्यार्थी



कु. मेनिका पटेल  
एम लिब

सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष



## कर्मचारी

### द्वितीय श्रेणी कर्मचारी

क्रमांक	नाम	पदनाम
1	श्री आर. के. मिश्रा	जे.ई. (सिविल)
2	श्री सुनील जाट	जे.ई. (सिविल)
3	श्री नितेश कुमार	जे.ई. (इलेक्ट्रॉनिक्स)
4	श्री प्रदीप कुमार नायक	जे.ई. (इलेक्ट्रॉनिक्स) (25 अप्रैल 2012 को पदत्याग)
5	श्री अशोक कुमारजूनियर	सुपरीटेन्डेन्ट
6	श्री एलॉयशियस बीनू माइकल	सीनियर स्टेनोग्राफर
7	कु. मेघा कुशवाहा	सीनियर इंफार्मेशन लाइब्रेरी असिस्टेंट

### तृतीय श्रेणी कर्मचारी

क्रमांक	नाम	पदनाम
1	श्री अनिल कुमार	उच्च श्रेणी लिपिक
2	श्री सन्दीप अवस्थी	उच्च श्रेणी लिपिक
3	श्री शैलेश शर्मा	उच्च श्रेणी लिपिक
4	श्री प्रवीण आर्मा	उच्च श्रेणी लिपिक
5	श्री देव कृष्ण झा	डि. एकांट असिस्टेंट
6	कु. सपना ए वानखेड़े	लाइब्रेरी असिस्टेंट
7	श्री कमलेश सिंह बरकड़े	केयर टेकर
8	श्री अखिलेश श्रीवास्तव	तकनीकी सहायक
9	श्री जितेन्द्र गुप्ता	तकनीकी सहायक
10	श्री आलोक कुलकर्णी	तकनीकी सहायक
11	कु. भारती केवट	तकनीकी सहायक
12	श्री राजेश कुमार सिंह	तकनीकी सहायक
13	श्री ब्रजेश कुमार	तकनीकी सहायक
14	श्री पियूस कुमार उसरेठे	तकनीकी सहायक
15	श्री अनूप बाजपेयी	तकनीकी सहायक
16	श्री घनश्याम मेशराम	तकनीकी सहायक
17	श्री मयूर एस. मंगोले	तकनीकी सहायक
18	श्री अनुपम शुक्ला	तकनीकी सहायक
19	श्री राजवीर	तकनीकी सहायक
20	श्री वरुण दुबे	प्रयोगशाला सहायक
21	श्री जगत सिंह	प्रयोगशाला सहायक
22	श्रीमती आयेशा बेगम मंसूरी	प्रयोगशाला सहायक





23	श्री राम दुलारे विश्वकर्मा	प्रयोगशाला सहायक
24	श्री रॉबिन्सन जॉर्ज मारकम	प्रयोगशाला सहायक
25	श्री अनूप कुमार गुप्ता	प्रयोगशाला सहायक
26	श्री ताबिस खान	प्रयोगशाला सहायक
27	श्री मनोज टिग्गा	प्रयोगशाला सहायक
28	श्री सीमान्त कर गुप्ता	अवर श्रेणी लिपिक
29	श्री पंकज प्रजापति	अवर श्रेणी लिपिक
30	श्री अवशेश कुमार पाल	अवर श्रेणी लिपिक
31	श्री प्रशांत अग्निहोत्री	अवर श्रेणी लिपिक
32	श्री दिलीप रंगारे	अवर श्रेणी लिपिक
33	श्री राजेश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक
34	श्री आदेश कुमार	अवर श्रेणी लिपिक
35	श्री कन्हैया लाल बरमैया	अवर श्रेणी लिपिक (19 जुलाई 2012 से कार्यरत)
36	श्री राजेश	अवर श्रेणी लिपिक (9 अगस्त 2012 से कार्यरत)
37	मो. इजराइल खान	झाइवर
38	श्री गणेश प्रसाद कश्यप	झाइवर
39	श्री मिलिन्द पी. बोपड़े	इलेक्ट्रीशियन



## शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियाँ

आधारभूत लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु संस्थान अपने आपको अभिकल्पन एवं विनिर्माण केन्द्र के रूप में भारतीय नागरिकों एवं अन्य समान सभ्यता वाले देशों के नागरिकों के जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने में उत्प्रेरक की भांति कार्य करने वाले संस्थान के रूप में स्थापित करता है। अभिकल्पन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण को केन्द्र में रखते हुए संस्थान अभिकल्पन सृजनात्मकता एवं अन्य गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु, आर्थिक लाभ में वृद्धि हेतु एवं भारत के ज्ञानशक्ति के रूप में उभरने के उद्देश्य में सार्थक रूप से योगदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में संस्थान अपनी अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को इस तरह प्रवाहित कर रहा है कि विभिन्न विचार मस्तिष्क में ही ना रहकर बाजार में आ सके। संस्थान में समाजिक समस्याओं के दीर्घकालीन वातावरण मित्र एवं समाज केन्द्रीय हलों को खोजने वाले अभियंताओं, अभिकल्पकों, छात्रों एवं विद्वानों के समूह निर्मित हो रहे हैं।

साररूपेण, पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ाने और मजबूत करने के लिए :-

### लक्ष्य

- (अ) सामाजिक परिवर्तन के लिए आवश्यक नव प्रवर्तनकारी उत्प्रेरकों के निर्माण हेतु अभिकल्पन एवं विनिर्माण के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास प्रवृत्तियों को प्रोत्साहित करना।
- (ब) संस्थान एवं अन्य उच्चस्तरीय संस्थानों के मध्य अभिकल्पन एवं विनिर्माण के क्षेत्रों में सहयोग में वृद्धि करना।
- (स) रचनात्मक व्यावसायिक आवश्यकताओं की उत्पत्ति करना एवं दीर्घकाली औद्योगिक सहयोग का निर्माण करना।

### उद्देश्य

- (अ) भारत एवं एशिया के बाजार हेतु स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उपयोगी उत्पादों में मूलभूत खोजें करना।
- (ब) देश की कृषि उत्पादकता बढ़ाने एवं विविधतापूर्ण करने हेतु नई तकनीक विकसित करना।
- (स) हरित ऊर्जा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ाना।
- (द) अंतः विषयक कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देकर बाजार के अनुसार अनुसंधान करना एवं बाजार में नये विचारों को जन्म देना।
- (इ) एक महत्वपूर्ण वक्ता के रूप में अपने आपको संस्थाओं अभिकल्पन व्यवसायकों एवं औद्योगिक जगत के एक सार्थक सहभागिता फोरम के रूप में निर्मित करना एवं अनुरूप कार्य करना।

### शैक्षणिक कार्यक्रम

प्रौद्योगिकी स्नातक पाठ्यक्रम - निम्नलिखित अभियांत्रिकी के तीन विषयों में शिक्षा के लिए संस्थान के पास अद्वितीय पाठ्यक्रम है-

- (i) कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग
- (ii) इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटेशन इंजीनियरिंग
- (iii) मैकेनिकल इंजीनियरिंग

परास्नातक पाठ्यक्रम - संस्थान निम्न विषयों से एम.टेक. एवं पीएचडी पाठ्यक्रम संचालित करता है -

- (i) कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग
- (ii) इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटेशन इंजीनियरिंग
- (iii) मैकेनिकल इंजीनियरिंग

इसके अलावा संस्थान मेकेट्रॉनिक्स में एम.टेक., मास्टर ऑफ डिजाइन, डिजाईन में पीएचडी भी संचालित करता है।



प्रो. एस. वी. राघवन अध्यक्ष प्रशासन मण्डल  
अभिकल्पन छात्रों के साथ चर्चा करते हुए

विद्यार्थी वर्कशॉप में कार्य करते हुये



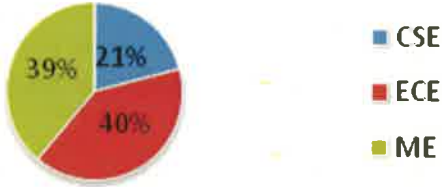
इनोवेशन इन डिजाइन एवं मैनुफेक्चरिंग पर  
अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन  
5-7 दिसंबर 2012



## प्रौद्योगिकी स्नातक

### (क) छात्र नामांकन

B. Tech. 2009 batch - branch wise enrolment - Total Students 144



B. Tech. 2010 batch - branch wise enrolment - Total Students 224



#### 2009 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	19	02	05	04	30
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	31	13	09	05	58
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	29	14	08	05	56
कुल					144

#### 2010 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	39	21	11	03	74
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	37	20	11	05	73
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	38	22	11	06	77
कुल					224

B. Tech. 2011 batch - branch wise enrolment - Total Students 252



B. Tech. 2012 batch - branch wise enrolment - Total Students 254



#### 2011 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	44	23	12	06	85
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	42	22	11	06	81
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	43	23	13	07	86
कुल					252

#### 2012 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	44	23	13	06	86
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	42	23	11	06	82
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	43	23	13	07	86
कुल					254





**(ख) अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति रिपोर्ट – स्नातक**

द्वितीय सेमेस्टर (2011-12)

सत्र	विद्यार्थियों की संख्या	विद्यार्थियों छात्रों की संख्या	असफल विद्यार्थियों की संख्या
2009	143	143	00
2010	224	223	01
2011	252	252	00

प्रथम सेमेस्टर (2012-13)

सत्र	विद्यार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या	असफल विद्यार्थियों की संख्या
2009	143	143	00
2010	223	223	00
2011	252	252	00
2012	254	254	00

**(ग) अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति रिपोर्ट – स्नातकोत्तर**

द्वितीय सेमेस्टर (2011-12)

सत्र	छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	असफल छात्रों की संख्या
2010	30	29	01
2011	50	48	02

प्रथम सेमेस्टर (2012-13)

सत्र	छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	असफल छात्रों की संख्या
2010	13	13	00
2011	46	43	03
2012	47	47	00



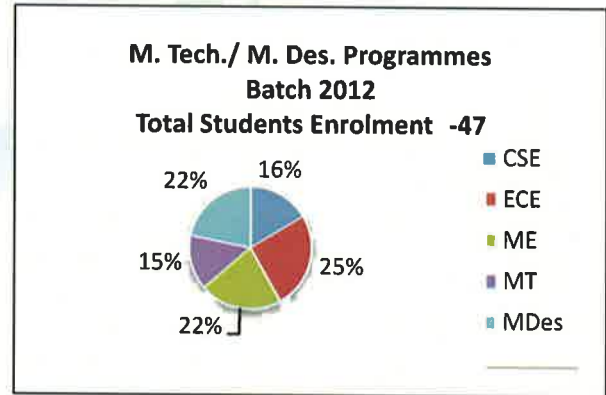
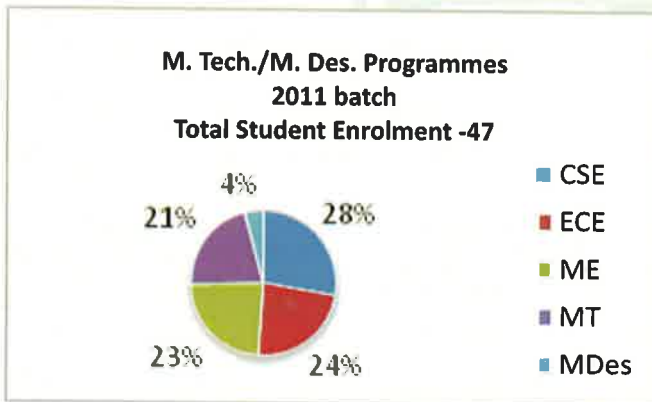
### परास्नातक कार्यक्रम

संस्थान निम्न विषयों में परास्नातक डिग्री प्रदान करता है:

(क) प्रौद्योगिकी परास्नातक (एम.टेक)

- (i) कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
- (ii) इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग
- (iii) मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- (iv) मैकाट्रॉनिक्स

(ख) अभिकल्पन परास्नातक (एम.डेस - मास्टर ऑफ डिजाइन)



2011 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	08	03	01	01	13
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	05	04	02	00	11
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	07	04	00	00	11
मैकाट्रॉनिक्स	07	03	00	00	10
एम.डेस	00	01	01	00	02
कुल	27	15	04	01	47

2012 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	05	03	01	00	09
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	07	04	02	01	14
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	07	03	02	00	12
मैकाट्रॉनिक्स	04	03	01	00	08
एम.डेस	07	02	00	03	12
कुल	30	15	09	01	55



शोध उपाधि (पीएच डी ) कार्यक्रम में

संस्थान में निम्न विषयों से पी एच डी करायी जाती है:

- (अ) कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
- (ब) इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग
- (स) मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- (द) अभिकल्पन

2008 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	01	00	00	01
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	01	00	00	01
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	01	00	00	01
अभिकल्पन	00	00	00	00
कुल	03	00	00	03

2009 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	01	00	00	01
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	01	00	00	01
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	01	00	00	01
अभिकल्पन	00	00	00	00
कुल	03	00	00	03

2010 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	03	00	00	03
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	00	00	00	00
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	03	01	00	04
अभिकल्पन	00	00	00	00
कुल	06	01	00	07

2011 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	04	01	02	00	07
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	07	01	03	00	11
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	07	02	02	00	11
अभिकल्पन	00	00	01	00	01
कुल	18	04	08	00	30

2012 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	05	01	00	00	06
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	06	02	03	01	12
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	04	00	01	00	05
अभिकल्पन	00	00	00	00	00
कुल	15	03	04	01	23



## अनुसंधान परियोजनायें

स्वीकृत/पूर्ण हुई/ चल रही अनुसंधान परियोजनाएं 2012-13

क्रमांक	परियोजना शीर्षक	समयावधि	पर्यवेक्षक	वित्तपोषक संस्थान	धनराशि	स्थिति
1.	Process Development for the fabrication of Free Form Components Through Incremental Sheet Forming	2012-15	पीआई: प्रो. पुनीत टंडन को-पीआई: डॉ. प्रशांत कुमार जैन	बी.आर.एन.एस., परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार	₹ 78.45 लाख	कार्य प्रगति पर
2.	Wavelets and Operational Matrix Based Techniques for Integral and Differential Equations	2012-15	पीआई: डॉ. राजेश कुमार पाण्डेय	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	₹ 10.22 लाख	कार्य प्रगति पर
3.	Brain Controlled Mobile Robot	2012-14	पीआई: प्रो. विजय कु. गुप्ता डॉ. प्रवीन कुमार पाधी	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	₹ 18.50 लाख	कार्य प्रगति पर
4.	Constrained Curve Drawing Algorithms for Robot Motion Planning	2010-13	पीआई: प्रो. अपराजिता ओझा को-पीआई: प्रो. तनुजा शेवड़े	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	₹ 9.23 लाख	कार्य प्रगति पर
5.	Electrical Characterization of nano scale MOSFETs Scalability Issues and Possible Solutions	2010-12	पीआई: डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	₹ 15 लाख	कार्य प्रगति पर
6.	Development of a micro pump with NEMS sensing function for an automatic blood collecting and measurement system	2010-12	पीआई: प्रो. पुनीत टंडन को-पीआई: प्रो. विजय कुमार गुप्ता प्रो. तनुजा शेवड़े	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार एवं जापानीज सोसायटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस	₹ 4.3 लाख (भारतीय वित्तीय संस्थाओं से)	कार्य प्रगति पर





7.	Virtual Lab: Automated Systems	2010-12	पीआई:प्रो.तनुजा शेवड़े को-पीआई: प्रो विजय कु. गुप्ता प्रो. पुनीत टंडन	मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	₹ 40 लाख	कार्य प्रगति पर
8.	Virtual Lab: Manufacturing Engineering	2010-12	पीआई: प्रो विजय कु. गुप्ता को- पीआई: प्रो. तनुजा शेवड़े प्रो. पुनीत टंडन	मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	₹ 40 लाख	कार्य प्रगति पर
9.	Simulation study of thin-base symmetric lateral bipolar transistor on SOI	लघु अवधि	पीआई: डॉ आशुतोष श्रीवास्तव	आई.एन.यू.पी. नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बाम्बे	लागू नहीं	कार्य प्रगति पर
10.	Nano-scale MOSEFT's Scalability issues and possible solutions	मध्य अवधि	पीआई: डॉ आशुतोष श्रीवास्तव	आई.एन.यू.पी. नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बाम्बे	लागू नहीं	पूर्ण



### अनुसंधान प्रकाशन 2012-13

#### पत्रिकाओं में प्रकाशन 2012-13

1. Kumar, A., Ojha, A., Natural path planning using wavelet noise in static environment (2013) Computer Animation and Virtual Worlds, 24 (1), pp. 17-24.
2. Gupta, T.V.K., Ramkumar, J., Tandon, P., Vyas, N.S., A study on deviations of the jet with traverse speeds on different materials in pocket milling using abrasive water jet machining process,(2013) Applied Mechanics and Materials, 372, pp. 402-405.
3. Soni, S., Khanna, P., Tandon, P., Knowledge support system for aesthetics in product design, (2013) Journal of Computing and Information Science in Engineering, 13 (1), art. no. 011006.
4. Sambhav, K., Tandon, P., Kapoor, S.G., Dhande, S.G., Mathematical modeling of cutting forces in microdrilling (2013) Journal of Manufacturing Science and Engineering, Transactions of the ASME, 135 (1), art. no. 014501.
5. Tamrakar, D., Khanna, P., Palmprint verification with XOR-SUM Code (2013) Signal, Image and Video Processing, pp. 1-8. Article in Press.
6. Rai, P., Khanna, P., Gender classification techniques: A review (2012) Advances in Intelligent and Soft Computing, 166 AISC (VOL. 1), pp. 51-59.
7. Mulaveesala, R., Panda, S.S.B., Mude, R.N., Amarnath, M., Non-destructive evaluation of concrete structures by non-stationary thermalwave imaging (2012) Progress in Electromagnetics Research Letters, 32, pp. 39-48.
8. Malviya, V.K., Jain, P.K., An object oriented approach to the online simulation of CNC turning and milling machining operations through computational geometry (2013) Computer-Aided Design and Applications, 10 (5), pp. 839-849.
9. Mukhopadhyay et al "Ergonomic design intervention at an interactive voice response system in a developing country", Information Design Journal 2013, Accepted for publication.
10. Mukhopadhyay et al "Ergonomic design analysis of some road signs in India", Information Design Journal 2013, Accepted for publication.
11. Mukhopadhyay et al "Ergonomic analysis of a traditional vehicle plying in rural and semi-urban area in western India", Journal of Human Ergology 2013, Accepted for publication.
12. Jha, V.K., Nautiyal, P., Motin Seikh, M., Chatterjee, R., Mahendiran, R., Kundu, A.K., Heat capacity, thermopower and magnetoresistance effects in multiferroic  $\text{La}_{0.5}\text{Bi}_{0.5}\text{Mn}_{0.5}\text{Fe}_{0.5}\text{O}_3$  (2013) Journal of Materials Science, 48 (21), pp. 7629-7634.



13. Nautiyal, P., Motin Seikh, M., Pralong, V., Kundu, A.K., Influence of bismuth on the magnetic & electrical properties of La 2MnNiO6 (2013) Journal of Magnetism and Magnetic Materials, 347, pp. 111-115.
14. Soni, V., Bhandari, A.K., Kumar, A., Singh, G.K., Improved sub-band adaptive thresholding function for denoising of satellite image based on evolutionary algorithms (2013) IET Signal Processing, 7 (8), pp. 720-730.
15. Anurag, S., Kumar, A., Singh, G.K., An efficient iterative method for nearly perfect reconstruction non-uniform filter bank (2013) International Journal of Speech Technology, 16 (3), pp. 261-272.
16. Kumar, A., Kumar, V.D., Novel polarization independent metamaterial and its application in patch antenna (2013) Microwave and Optical Technology Letters, 55 (8), pp. 1963-1969.
17. Sugumaran, V., Jain, D., Amarnath, M., Kumar, H., Fault diagnosis of helical gear box using decision tree through vibration signals (2013) International Journal of Performability Engineering, 9 (2), pp. 221-233.
18. Kumar, A., Singh, G.K., Rajesh, G., Ranjeet, K., The optimized wavelet filters for speech compression (2013) International Journal of Speech Technology, 16 (2), pp. 171-179.
19. Rafi, S.M., Kumar, A., Singh, G.K., An improved particle swarm optimization method for multirate filter bank design (2013) Journal of the Franklin Institute, 350 (4), pp. 757-769.
20. Amarnath, M., Sugumaran, V., Kumar, H., Exploiting sound signals for fault diagnosis of bearings using decision tree (2013) Measurement: Journal of the International Measurement Confederation, 46 (3), pp. 1250-1256.
21. Kumar, A., Kumar V., D., High-performance metamaterial patch antenna (2013) Microwave and Optical Technology Letters, 55 (2), pp. 409-413.
22. Kumar, R., Kumar, A., Pandey, R.K., Beta wavelet based ECG signal compression using lossless encoding with modified thresholding (2013) Computers and Electrical Engineering, 39 (1), pp. 130-140.
23. Kumar, A., Singh, G.K., Anurag, S., Design of nearly perfect reconstructed non-uniform filter bank by constrained equiripple FIR technique (2013) Applied Soft Computing Journal, 13 (1), pp. 353-360.
24. Rajbala, S., Srivastava, A., Pandey, H.O., Kumar, V.D., Investigation of a cross-slot nanoantenna and extraordinary transmission (2012) Micro and Nano Letters, 7 (7), pp. 600-603.
25. Ahirwal, M.K., Kumar, A., Singh, G.K., Analysis and testing of PSO variants through application in EEG/ERP adaptive filtering approach (2012) Biomedical Engineering Letters, 2 (3), pp. 186-197.
26. Kumar, A., Vishwakarma, D.K., Performance enhancement of patch antenna by fishnet metamaterial (2012) Progress in Electromagnetics Research Symposium, pp. 640-644.



27. Kumar, A., Ranjeet, K., ECG signal compression using the optimised wavelet filter banks (2012) International Journal of Signal and Imaging Systems Engineering, 5 (3), pp. 187-195.
28. Kumar, R., Kumar, A., Pandey, R.K., Electrocardiogram Signal Compression Using Beta Wavelets (2012) Journal of Mathematical Modelling and Algorithms, 11 (3), pp. 235-248.
29. Kumar, A., Rafi, S.M., Singh, G.K., A hybrid method for designing linear-phase quadrature mirror filter bank (2012) Digital Signal Processing: A Review Journal, 22 (3), pp. 453-462.
30. Kumar, A., Kuldeep, B., Design of M-channel cosine modulated filter bank using modified Exponential window (2012) Journal of the Franklin Institute, 349 (3), pp. 1304-1315.
31. Singh, J., Vijaykrishnan, N., A highly reliable NBTI resilient 6T SRAM cell (2013) Microelectronics Reliability, 53 (4), pp. 565-572.
32. Roy, M.K., Mahloniya, R.G., Bajpai, J., Bajpai, A.K., Spectroscopic and morphological evaluation of gamma radiation irradiated polypyrrole based nanocomposites (2012) Advanced Materials Letters, 3 (5), pp. 426-432.
33. Sugumaran, V., Jain, D., Amarnath, M., Kumar, H., Fault diagnosis of helical gear box using decision tree through vibration signals (2013) International Journal of Performability Engineering, 9 (2), pp. 221-233.
34. Amarnath, M., Sugumaran, V., Kumar, H., Exploiting sound signals for fault diagnosis of bearings using decision tree (2013) Measurement: Journal of the International Measurement Confederation, 46 (3), pp. 1250-1256.
35. Amarnath, M., Krishna, I.R.P., Detection and diagnosis of surface wear failure in a spur geared system using EEMD based vibration signal analysis (2013) Tribology International, 61, pp. 224-234.
36. Amarnath, M., Sujatha, C., Swarnamani, S., Gear fault assessment based on continuous wavelet transforms (2013) Advances in Vibration Engineering, 12 (1), pp. 33-48.
37. Kumar, H., Ranjit Kumar, T.A., Amarnath, M., Sugumaran, V., 887. Fault diagnosis of antifriction bearings through sound signals using Support Vector Machine (2012) Journal of Vibroengineering, 14 (4), pp. 1601-1606.
38. Amarnath, M., Praveen Krishna, I.R., Empirical mode decomposition of acoustic signals for diagnosis of faults in gears and rolling element bearings (2012) IET Science, Measurement and Technology, 6 (4), pp. 279-287.
39. Amarnath, M., Chandramohan, S., Seetharaman, S., Experimental investigations of surface wear assessment of spur gear teeth (2012) JVC/Journal of Vibration and Control, 18 (7), pp. 1009-1024.





40. Muralidharan, B., Chelladurai, H., Experimental investigation of magnetic field assisted electro discharge deposition process (2013) *Advanced Materials Research*, 747, pp. 737-740.
41. Jha, R.K., Chaturvedi, A., Chouhan, R., Watermark detection using dynamic stochastic resonance (2013) *Fluctuation and Noise Letters*, 12 (3), art. no. 1350010.
42. Jha, R.K., Soni, B., Aizawa, K., Logo extraction from audio signals by utilization of internal noise (2013) *IETE Journal of Research*, 59 (3), pp. 270-279.
43. Jha, R.K., Soni, B., Chouhan, R., Aizawa, K., Improved watermark extraction from audio signals by scaling of internal noise in DCT domain (2012) *Advances in Intelligent and Soft Computing*, 166 AISC (VOL. 1), pp. 235-243.
44. Pandey, R.K., Kumar, N., Bhardwaj, A., Dutta, G., Solution of Lane-Emden type equations using Legendre operational matrix of differentiation (2012) *Applied Mathematics and Computation*, 218 (14), pp. 7629-7637.
45. Kankar, P.K., Sharma, S.C., Harsha, S.P., Vibration signature analysis of a high speed rotor supported on ball bearings due to localized defects (2013) *JVC/Journal of Vibration and Control*, 19 (12), pp. 1833-1853.
46. Kankar, P.K., Sharma, S.C., Harsha, S.P., Fault diagnosis of rolling element bearing using cyclic autocorrelation and wavelet transform (2013) *Neurocomputing*, 110, pp. 9-17.
47. Kankar, P.K., Sharma, S.C., Harsha, S.P., Vibration-based fault diagnosis of a rotor bearing system using artificial neural network and support vector machine (2012) *International Journal of Modelling, Identification and Control*, 15 (3), pp. 185-198.
48. Karthigan G., Mukherjee S. and Ganguli R., Electromechanical dynamics and optimization of pectoral fin-based ionic polymer-metal composite underwater propulsor (2012) *Journal of Intelligent Material Systems and Structures*, 23(10), pp. 1069-1082.
49. Mukherjee S. and Ganguli R., A comparative study of dragonfly inspired flapping wings actuated by single crystal piezoceramic (2012), *Smart Structures and Systems* 10 (1), pp. 67-87.
50. Mukherjee S. and Ganguli R., Nonlinear dynamic analysis of dragonfly inspired piezoelectric unimorph actuated flapping and twisting wing (2012), *International Journal of Smart and Nano Materials* 3(2), pp. 103-122.



**सम्मेलनों में प्रकाशन 2012-2013**

1. Johari, S., Ojha, A., Quickest path problems in stochastic-flow networks with time constraint: A fast and reliable solution (2013) Proceedings of the 2013 3rd IEEE International Advance Computing Conference, IACC 2013, art. no. 6514458, pp. 1555-1560.
2. Kumar, V., Chetan, C., Ojha, A., On a visual secret sharing scheme with high quality decryption (2012) Proc. of the 11th IEEE Int. Conference on Trust, Security and Privacy in Computing and Communications, TrustCom-2012 - 11th IEEE Int. Conference on Ubiquitous Computing and Communications, IUCC-2012, art. no. 6296114, pp. 1200-1203.
3. Yadav, G.S., Ojha, A., A fast and efficient data hiding scheme in binary images (2012) Proceedings of the 2012 8th International Conference on Intelligent Information Hiding and Multimedia Signal Processing, IIH-MSP 2012, art. no. 6274406, pp. 79-84.
4. Upadhyay, R., Kankar, P.K., Padhy, P.K., Gupta, V.K., Extraction and classification of Electroencephalogram signals (2012) 2012 IEEE International Conference on Computational Intelligence and Computing Research, ICCIC 2012, art. no. 6510216.
5. Agrahari, D.K., Kondekar, P.N., Yadav, P.S., Singh, J., High performance organic field effect transistor with tri-gate (2013) Proceedings - International Conference on Intelligent Systems, Modelling and Simulation, ISMS, art. no. 6498347, pp. 627-630.
6. Chakraborty, A.A., Kondekar, P.N., Yadav, M.K., Drive current boosting and low sub-threshold swing obtained by P layer in double-gate tunnel FET (2012) 2012 International Conference on Enabling Science and Nanotechnology, ESciNano 2012 - Proceedings, art. no. 6149643.
7. Kane, L., Khanna, P., Towards establishing a mute communication: An Indian sign language perspective (2012) 4th International Conference on Intelligent Human Computer Interaction: Advancing Technology for Humanity, IHCI 2012, art. no. 6481787.
8. Rathore, S.S., Gupta, A., Investigating object-oriented design metrics to predict fault-proneness of software modules (2012) 2012 CSI 6th International Conference on Software Engineering, CONSEG 2012, art. no. 6349484.
9. Verma, R., Gupta, A., An approach of attribute selection for reducing false alarms (2012) 2012 CSI 6th International Conference on Software Engineering, CONSEG 2012, art. no. 6349479.
10. Tiwari, S., Rathore, S.S., Gupta, A., Selecting requirement elicitation techniques for software projects (2012) 2012 CSI 6th International Conference on Software Engineering, CONSEG 2012, art. no. 6349486.
11. Tiwari, S., Rathore, S.S., Singh, A., Singh, A., Gupta, A., An approach to generate actor-oriented activity charts from use case requirements (2012) Proceedings - Asia-Pacific Software Engineering Conference, APSEC, 1, art. no. 6462662, pp. 270-275.
12. Rathore, S.S., Gupta, A., Validating the effectiveness of object-oriented metrics over multiple releases for predicting fault proneness (2012) Proceedings - Asia-Pacific Software Engineering Conference, APSEC, 1, art. no. 6462679, pp. 350-355.
13. Tiwari, S., Rathore, S.S., Gupta, S., Gogate, V., Gupta, A., Analysis of use case requirements using sfta and sfmea techniques (2012) Proceedings - 2012 IEEE 17th International Conference on Engineering of Complex Computer Systems, ICECCS 2012, art. no. 06299248, pp. 29-38.
14. Vastrakar, N.K., Padhy, P.K., Simplified PSO PI-PD controller for unstable processes (2013) Proceedings - International Conference on Intelligent Systems, Modelling and Simulation, ISMS, art. no. 6498294, pp. 350-354.



15. Nema, S., Padhy, P.K., PSO based PID tuning TITO process (2012) 2012 IEEE International Conference on5 Computational Intelligence and Computing Research, ICCIC 2012, art. no. 6510215.
16. Mulaveesala, R., Ghali, S.V., Arora, V., Siddiqui, J.A., Muniyappa, A., Takei, M., Theory, modeling and simulations for thermal wave detection and ranging (2013) Proceedings of SPIE - The International Society for Optical Engineering, 8705, art. no. 87050Z.
17. Mulaveesala, R., Ghali, V.S., Arora, V., Siddiqui, J.A., Muniyappa, A., Takei, M., Recent advances in thermal wave detection and ranging for nondestructive testing and evaluation of materials (2013) Proceedings of SPIE - The International Society for Optical Engineering, 8705, art. no. 870510.
18. Mulaveesala, R., Siddiqui, J.A., Arora, V., Ghali, V.S., Muniyappa, A., Takei, M., Nondestructive testing and evaluation of composites by non-invasive IR imaging techniques (2013) Proceedings of SPIE - The International Society for Optical Engineering, 8705, art. no. 87050Y.
19. Mulaveesala, R., Panda, S.S.B., Mude, R.N., Amarnath, M., Nondestructive evaluation of concrete structures by nonstationary thermal wave imaging (2012) Proceedings of SPIE - The International Society for Optical Engineering, 8354, art. no. 83540B.
20. Mulaveesala, R., P Nagarjuna, V., Ravi, D., Amarnath, M., Thermal wave imaging techniques for inspection of plywood materials (2012) Proceedings of SPIE - The International Society for Optical Engineering, 8354, art. no. 83540C.
21. Mulaveesala, R., Subbarao, G.V., Amarnath, M., Matched excitation for thermal nondestructive testing of carbon fiber reinforced plastic materials (2012) Proceedings of SPIE - The International Society for Optical Engineering, 8354, art. no. 835408.
22. A. Srivastava, Y. Malhotra and V. Gupta, Study of Lanthanum incorporated HfO<sub>2</sub> nano-scale high-k dielectric using Pulse Laser Deposition for metal-insulator-metal capacitor applications, International Conference on Solid-State and Integrated Circuit (ICSIC 2012), Singapore (2012), pp.165.
23. O Mangla, A. Srivastava, Y. Malhotra and V. Gupta, Dielectric study of MIM structure for Analog /Mixed signal applications using PLD system Connecticut, Symposium on microelectronics and Optoelectronics Consortium (CMOC), (2013), pp.77., U.S.A.2013.
24. Mishra, N.K., Vishwakarma, D.K., Kumar, A., Performance analysis of micro-strip patch antenna and dielectric resonator antenna array (2013) 2013 IEEE International Conference on Emerging Trends in Computing, Communication and Nanotechnology, ICE-CCN 2013, art. no. 6528599, pp. 721-726.
25. Verma, A.R., Singh, R.K., Kumar, A., An improved method for speech enhancement based on ridgelet transform (2013) Proceedings - International Conference on Intelligent Systems, Modelling and Simulation, ISMS, art. no. 6498280, pp. 280-285.
26. Bhandari, A.K., Gadde, M., Kumar, A., Singh, G.K., Comparative analysis of different wavelet filters for low contrast and brightness enhancement of multispectral remote sensing images (2012) 2012 International Conference on Machine Vision and Image Processing, MVIP 2012, art. no. 6428766, pp. 81-86.
27. Verma, A.R., Singh, R.K., Kumar, A., Ranjeet, K., An improved method for speech enhancement based on 2D-DWT using hybrid weiner filtering (2012) 2012 IEEE International Conference on Computational Intelligence and Computing Research, ICCIC 2012, art. no. 6510241.
28. Bhandari, A.K., Kumar, A., Singh, G.K., SVD based poor contrast improvement of blurred multispectral remote sensing satellite images (2012) Proceedings of the 2012 3rd International Conference on Computer and Communication Technology, ICCCT 2012, art. no. 6394687, pp. 156-159.





29. Bhardwaj, A., Kumar, V.D., Optical dielectric resonator antenna (2012) 2012 9th International Conference on Communications, COMM 2012 - Conference Proceedings, art. no. 6262600, pp. 159-162.
30. Anurag, S., Kumar, A., Non-uniform filter bank design using modified window functions (2012) Proceedings - 2012 2nd National Conference on Computational Intelligence and Signal Processing, CISP 2012, art. no. 6189699, pp. 165-170.
31. Anurag, S., Kumar, A., Simple iterative design technique for tree structured non-uniform filter bank (2012) 2012 1st International Conference on Recent Advances in Information Technology, RAIT-2012, art. no. 6194547, pp. 744-749.
32. Reddy, G.K., Jainwal, K., Singh, J., Mohanty, S.P., Process variation tolerant 9T SRAM bitcell design (2012) Proceedings - International Symposium on Quality Electronic Design, ISQED, art. no. 6187539, pp. 493-497.
33. Gupta, B., Gupta, A., On the k-connectivity of ad-hoc wireless networks (2013) Proceedings - 2013 IEEE 7th International Symposium on Service-Oriented System Engineering, SOSE 2013, art. no. 6525573, pp. 546-550.
34. Saiveena, K., Gupta, P., Amarnath, M., Sastry, C.S., Characterization of ECG signals using multiscale approach (2012) 2012 International Conference on Signal Processing and Communications, SPCOM 2012, art. no. 6289998.
35. Amarnath, M., Naik, B.R., Singh, A.K., Jothi, Ch.D., Diagnosis of post-ictal heart oscillations in partial epilepsy using power spectral density analysis (2010) 2010 The 2nd International Conference on Computer and Automation Engineering, ICCAE 2010, 3, art. no. 5451608, pp. 333-336.
36. Chouhan, R., Jha, R.K., Biswas, P.K., Wavelet-based contrast enhancement of dark images using dynamic stochastic resonance (2012) ACM International Conference Proceeding Series.
37. Chouhan, R., Jha, R.K., Biswas, P.K., Image denoising using dynamic stochastic resonance in wavelet domain (2012) International Conference on Intelligent Systems Design and Applications, ISDA, art. no. 6416513, pp. 58-63.
38. Jha, R.K., Chouhan, R., Biswas, P.K., Aizawa, K., Internal noise-induced contrast enhancement of dark images (2012) Proceedings - International Conference on Image Processing, ICIP, art. no. 6467024, pp. 973-976.
39. Mohanty, S.K., Sajith, G., I/O efficient algorithms for block hessenberg reduction using panel approach (2012) Lecture Notes in Computer Science (including subseries Lecture Notes in Artificial Intelligence and Lecture Notes in Bioinformatics), 7678 LNCS, pp. 134-147.
40. Mohanty, S.K., Gopalan, S., I/O efficient QR and QZ algorithms (2012) 2012 19th International Conference on High Performance Computing, HiPC 2012, art. no. 6507492.
41. Upadhyay, R., Kankar, P.K., Padhy, P.K., Gupta, V.K., Extraction and classification of Electroencephalogram signals (2012) 2012 IEEE International Conference on Computational Intelligence and Computing Research, ICCIC 2012, art. no. 6510216.
42. Mukherjee S. and Ganguli R., Nonlinear dynamic analysis of dragonfly inspired piezoelectric unimorph actuated flapping and twisting wing (2012), International Journal of Smart and Nano Materials 3(2), pp. 103-122.





## दीक्षांत समारोह 2012

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान का चतुर्थ दीक्षांत समारोह 25 अगस्त 2012 को संपन्न हुआ। समारोह में भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाकार कार्यालय में कार्यरत वैज्ञानिक सचिव एवं संस्थान के संचालन मण्डल के अध्यक्ष प्रो. एस वी राघवन ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों के माता-पिता एवं संरक्षकों समेत जबलपुर शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थित समारोह में दर्ज की।

विषयानुसार उपाधियों की संख्या निम्नवत है:

प्रौद्योगिकी स्नातक:

क्रमांक	विषय	कुल
1	कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सी.एस.ई.)	47
2	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ई.सी.ई.)	47
3	मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एम.ई.)	38
	कुल	132

प्रौद्योगिकी परास्नातक:

क्रमांक	विषय	कुल
1	कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सी.एस.ई.)	10
2	इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (ई.सी.ई.)	02
3	मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एम.ई.)	02
	कुल	14

शोध उपाधि (पी.एच.डी.)

क्रमांक	विषय	कुल
1	मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एम.ई.)	01
	कुल	01

इसके अतिरिक्त निम्नलिखित पदक एवं पुरस्कार भी प्रदान किये गये :-

क्रमांक	पुरस्कार/पदक (वर्ष 2012 हेतु)	प्राप्तकर्ता	मापदण्ड
1	चेयर मैन्स स्वर्ण पदक	कु. कोमल धवन	स्नातक पाठ्यक्रम के समस्त विद्यार्थियों में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक योग्यता हेतु
2	डायरेक्टर्स स्वर्ण पदक	कु. गौरी दानी	स्नातक पाठ्यक्रम के समस्त विद्यार्थियों में सर्वांगीण प्रवीणता, सर्वश्रेष्ठ संगठनात्मक योग्यता एवं नेतृत्व क्षमता हेतु



3	अभिकल्पन एवं विनिर्माण दक्षता स्वर्ण पदक	श्री अंकुर जैन एवं श्री अंकुर पाण्डेय	स्नातक पाठ्यक्रम के समस्त विद्यार्थियों में सर्वश्रेष्ठ अन्तर्विषयक स्नातक परियोजना हेतु
4	अभिकल्पन एवं विनिर्माण दक्षता स्वर्ण पदक	श्री विकास कुमार मालवीय	सर्वश्रेष्ठ अन्तर्विषयक परास्नातक परियोजना हेतु
5	शैक्षणिक दक्षता रजत पदक	कु. कोमल धवन	स्नातक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सी.एस.ई.) में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक योग्यता हेतु
6	शैक्षणिक दक्षता रजत पदक	श्री विज्ञांशु शर्मा	स्नातक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ई.सी.ई.) में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक योग्यता हेतु
7	शैक्षणिक दक्षता हेतु रजत पदक	श्री मनु राकेश	स्नातक मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एम ई) में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक योग्यता हेतु
8	अभिकल्पन एवं विनिर्माण दक्षता स्वर्ण पदक	श्री अनिमेष कुमार सिन्हा	स्नातक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सी.एस.ई.) में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक परियोजना हेतु
9	अभिकल्पन एवं विनिर्माण दक्षता स्वर्ण पदक	श्री शेख मोहम्मद रफी	स्नातक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ई.सी.ई.) में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक परियोजना हेतु
10	अभिकल्पन एवं विनिर्माण दक्षता स्वर्ण पदक	श्री सचिन कुमार	स्नातक मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एम ई) में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक परियोजना हेतु
11	अभिकल्पन एवं विनिर्माण दक्षता स्वर्ण पदक	श्री विकास कुमार मालवीय	परास्नातक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सी.एस.ई.) में सर्वश्रेष्ठ परियोजना निर्माता विद्यार्थी हेतु
12	अभिकल्पन एवं विनिर्माण दक्षता स्वर्ण पदक	कु. राजलक्ष्मी चौहान	परास्नातक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ई.सी.ई.) में सर्वश्रेष्ठ परियोजना हेतु
13	अभिकल्पन एवं विनिर्माण दक्षता स्वर्ण पदक	मोहम्मद राजिक खान	परास्नातक मैकेनिकल इंजीनियरिंग (एम ई) में सर्वश्रेष्ठ परियोजना हेतु
14	निदेशक रजत पदक	श्री अखिल गैरोला	स्नातक विद्यार्थियों के मध्य खेलकूद गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु
15	निदेशक रजत पदक	श्री प्रतीक सक्सेना	स्नातक विद्यार्थियों के मध्य सांस्कृतिक गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु





प्रो. एस. वी. राघवन अपना अभिभाषण देते हुए



स्वर्ण पदक प्राप्त करते हुये परास्नातक छात्र विकास मालवीय



उपाधि प्राप्त छात्र



आस्था रैकवार को प्रौद्योगिकी स्नातक की उपाधि प्रदान करते हुए प्रो. अपराजिता ओझा



शोध उपाधि से सम्मानित प्रथम छात्र मो. राजिक खान



### पुस्तकालय

संस्थान का पुस्तकालय निरंतर पुस्तकों एवं जर्नलों का क्रय करता है एवं इनकी संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। संस्थान का पुस्तकालय मिश्रित पुस्तकालय है जोकि मिश्रित सेवा अर्थात इलेक्ट्रॉनिक एवं पेपर पर्यावरण पर आधारित है। पुस्तकालय स्वचलित साफ्टवेयर सिस्टम “साफ्टग्रंथ” से संचालित है। इसमें पुस्तकालय की पूर्ण कार्यप्रणाली का स्वचलित उपयोग किया जा सकता है।

### संग्रह विकास और प्रबंधन

भण्डार करना पुस्तकालय का एक प्रमुख कार्य है जो शिक्षा एवं अनुसंधान के कार्य में छात्रों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं अन्य उपयोगकर्ताओं की मदद करता है। 01 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2013 में पुस्तकालय भण्डार की स्थिति निम्नानुसार है:

संग्रह	31 मार्च 2012को भंडार	2012-13 में प्राप्ति	कुल
पुस्तकें (Text Reference)	9759	898	10657
ग्रिटिस पुस्तकें	67	80	147
ऑनलाइन ई जर्नल	अगले पृष्ठ पर		
प्रिंट जर्नल	1	2	2 (वर्ष 2013 हेतु)
सी.डी.	1017	99	1116
जर्नलों के बाउंड अंक	56	0	56
परियोजना प्रतिवेदन	27	22	49

### पत्रिकाएँ एवं समाचार पत्र

क्रमांक	वस्तु	संख्या(2011-12)	2012-13 में सम्मिलित	कुल
1.	समाचार पत्र	11	4(हिंदी)	15
2.	पत्रिकाएँ	22	11	33

### पुस्तकालय संवाहें

- वेबओपेक: पुस्तकालय में पुस्तक खोज और उपयोगकर्ताओं की जानकारी उपलब्ध है।
- रिफरेन्स सर्विसेस: पुस्तकालय के स्रोत एवं सेवाओं के पूर्ण उपयोग में मदद मिलती है। उपयोगकर्ताओं को आवश्यक सूचना या डाक्यूमेंट प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है।
- सूचना अलर्ट सेवाएं: पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को उनकी रुचि की निम्नलिखित नवीन सूचना से अलर्ट करता रहता है:
  - नये आगमन की सूची
  - नये ई-स्रोतों की सूची
  - समाचार प्रकाशन
  - संकाय एवं छात्रों के प्रकाशनों का प्रदर्शन
  - आगामी सम्मेलन, राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली परिचर्चाओं का प्रकाशन
- समाचार पत्र क्लिप सेवा: समाचार पत्रों में प्रकाशित संस्थान के समाचारों को हिन्दी व अंग्रेजी दानों में रखा जाता है।
- पुस्तकालय बैठक क्षमता: एक समय में 100 व्यक्ति, 4 कम्प्यूटर (पीसी) वेब ओपेक और ई-स्रोत के लिए।





### व्यय विवरण

क्रमांक	विषय वस्तु	वर्ष 2012-2013
1	पुस्तकें	₹ 7,52,601.00 लगभग
2	जर्नल	₹ 80,93,994.00 लगभग
3	समाचार पत्र एवं पत्रिकायें	₹ 12,473.00 (समाचार पत्र हेतु) 1,28,014.00 लगभग (सितंबर 2012 से दिसंबर 2013 तक पत्रिकाओं हेतु)

### वर्ष 2012 के लिये ई-संसाधन

क्रमांक	प्रकाशक का नाम	ई-संसाधन का नाम
1.	AMS	MathSciNet
2.	Elsevier	Scopus
3.	Elsevier	Science Direct (Options I)
4.	ACM	ACM Resources
5.	ASME	ASME Resources
6.	IEEE	IEEE Resources
7.	Springer	Springer Resources
8.	Society for Industrial and Applied Mathematics Journals (SIAM)	SIAM Journal on Mathematical Analysis SIAM Journal on Matrix Analysis and Applications SIAM Journal on Numerical Analysis SIAM Journal on Scientific Computing SIAM Journal on Applied Mathematics SIAM Review
9.	American Institute of Physics Journals (AIP)	Applied Physics Letters Journal of Applied Physics
10.	American Physical Society Journals (APS)	Physical Review B
11.	IOP Science Journals	Physics Education Smart Materials and Structures Nanotechnology



12.	American Association of Physics Teachers Journals (AAPT)	American Journal of Physics Physics Teacher
13.	Institute for Operations Research and the Management Science (Informs)	Management Science Operation Research Transportation Science Mathematics of Operations Research Manufacturing & Service Operations Management
14.	Palgrave Macmillan Journals	Journal of the Operational Research Society
15.	Royal Society of Chemistry	Physical Chemistry Chemical Physics
16.	Taylor & Francis	Tribology Transactions Machining Science and Technology Journal of Engineering Design Virtual and Physical Prototyping
17.	Nature Publishing Group	Nature (Print) Nature Photonics
18.	IGI Global	International Journal of Manufacturing, Materials, and Mechanical Engineering (IJMMME)
19.	Optical Society of America	Journal of Lightwave Technology Optics Letters Optics and Photonics News
20.	Emerald Journals	Emerald Engineering Back files Emerald Engineering e-Journal Collection
21.	Elsevier	OMEGA Energy Package
22.	Sage Journals	Ergonomics in Design Human Factors published by Human Factors and Ergonomics Society Indian Journal of Gender Studies The Journal of Commonwealth Literature Journal of Vibration and Control Language and Literature Language Teaching Research Law, Culture and the Humanities



		<p>Proceedings of the Institution of Mechanical Engineers, Part K: Journal of Multi-body Dynamics</p> <p>Proceedings of the Institution of Mechanical Engineers, Part L: Journal of Materials: Design and Applications</p> <p>Science, Technology and Society: An International Journal</p> <p>Proceedings of the Institution of Mechanical Engineers, Part B: Journal of Engineering Manufacture</p> <p>Proceedings of the Institution of Mechanical Engineers, Part C: Journal of Mechanical Engineering Science</p>
23.	ACS Journals	<p>Nano Letters</p> <p>Journal of Chemical Theory and Computation</p> <p>Journal of Medicinal Chemistry</p> <p>Chemical Research in Toxicology</p> <p>Chemistry of Materials</p>
24.	Wiley	<p>Decision Sciences</p> <p>Journal of Business Logistics</p> <p>Production and Operations Management</p> <p>Microwave and Optical Technology Letters</p> <p>International Journal of Art &amp; Design Education</p>
25.	Acta Press	International Journal of Robotics and Automation
26.	Inderscience Publishers	<p>International Journal of Manufacturing Technology and Management</p> <p>International Journal of Manufacturing Research</p> <p>International Journal of Machining and Machinability of Materials</p> <p>International Journal of Product Development</p>
27.	SPIE	Journal of Nanophotonics
28.	Indian Journals	<p>Library Herald</p> <p>Pearl : A Journal of Library and Information Science</p> <p>SRELS Journal of Information Management</p>
29.	American Association for the Advancement of Science (AAAS)	Science (Print)



## विद्यार्थी जीवन

आवासीय संस्थान परिसर में छात्रों के चहुँमुखी विकास हेतु संस्थान छात्रों के लिए आधारभूत संरचनायें एवं सुविधायें उपलब्ध कराता है। संस्थान के छात्र निरन्तर विभिन्न प्रकार की शिक्षकेतर एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेते हैं एवं विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन करते हैं। ये सभी गतिविधियां छात्र जिमखाना के अन्तर्गत आयोजित की जाती हैं जिससे छात्रों को अनेकानेक मुद्दों पर आपस में सहयोगी होने का अवसर मिलता है। फैकल्टी सलाहकारों के परामर्श के अन्तर्गत कार्य करते हुए जिमखाना स्वशासित, जिम्मेदार एवं उत्तरदायी संस्था है। छात्र जिमखाना का संचालन निर्वाचित छात्र जिमखाना परिषद (सीनेट) द्वारा किया जाता है। प्रतिवर्ष जनवरी के प्रथम सप्ताह में छात्र जिमखाना परिषद के सदस्यों का चुनाव आम सभा में जिमखाना सदस्यों द्वारा प्रत्यक्ष एवं गुप्त मतदान द्वारा होता है। संस्थान में पंजीकृत प्रत्येक छात्र स्वतः ही छात्र जिमखाना का सदस्य होता है और उसे मतदान का अधिकार होता है।

छात्र सिनेट में हर कक्षा से 2-3 प्रतिनिधि होते हैं। सारे स्नातक एवं परास्नातक बैच के छात्रों में से सिनेट में लगभग 50-60 सदस्य होते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक, खेल, विज्ञान एवं तकनीकी क्लब छात्र जिमखाना के अंतर्गत कार्य करते हैं। क्लब संयोजकों एवं सह-संयोजकों का चुनाव उनकी कुशलता एवं संस्थान में पूर्व के प्रदर्शन के आधार पर क्लब के सदस्य करते हैं और छात्र जिमखाना द्वारा अनुमोदित किया जाता है। छात्र जिमखाना के समस्त सदस्य जिनका CPT > 6.5 है वे छात्र सिनेट की उम्मीदवारी के योग्य होते हैं। वे समस्त सदस्य जिनका CPT = 6.5 है वे मेन्टर, संयोजक, सहसंयोजक होने के योग्य होते हैं। वर्ष भर जिमखाना गतिविधियों के संचालन हेतु एक वरिष्ठ संकाय सदस्य, जिसे अधिष्ठाता (छात्र) का प्रभार दिया गया हो, छात्र प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन करता है। इसके अतिरिक्त तीन संकाय सदस्य जिन्हें सलाहकार (काउन्सलर) का पदनाम दिया जाता है, विभिन्न सांस्कृतिक, खेल और विज्ञान एवं तकनीकी गतिविधियों के साथ-साथ छात्र जिमखाना द्वारा आयोजित विभिन्न वार्षिक उत्सवों का संचालन करते हैं।

छात्र अधिष्ठाता	- प्रो. तनुजा शेवड़े
सांस्कृतिक सलाहकार	- डॉ. लोकेन्द्र कुमार (जुलाई 2012 तक)
सांस्कृतिक सलाहकार	- डॉ. सुजॉय मुखर्जी (अगस्त 2012 से)
खेलकूद सलाहकार	- डॉ. गौतम दत्ता
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सलाहकार	- डॉ. पवन कुमार काँकर

छात्र जिमखाना गतिविधियों के अन्तर्गत विभिन्न स्थाई क्लब:

आवासीय संस्थान परिसर में छात्रों ने विभिन्न क्लबों का निर्माण किया है। छात्र इन सभी क्लबों की गतिविधियों में भाग लेते हुए अपने चहुँमुखी विकास हेतु नए अवसर प्राप्त करते हैं। छात्र अपनी इच्छानुसार परंतु अपनी शैक्षणिक योग्यता को बरकरार रखते हुए, क्लब/क्लबों के सदस्य रह सकते हैं। प्रत्येक क्लब का मूल उद्देश्य उनकी मूलभूत प्रतिभा को पोषित करना है। इस प्रकार के प्रशिक्षण हेतु क्लबों के अधिवेशन सप्ताहांत में आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा क्लब विभिन्न कार्यशालाएं भी आयोजित करते हैं जिसमें की विषयवस्तु विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है। सभी क्लब वर्ष भर नियोजित रूप से शिक्षकेतर एवं सहशैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। क्लब की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य छात्र की प्रतिभा को उभारना होता है। साथ ही साथ ये गतिविधियाँ उनमें सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रतिस्पर्धात्मक एवं तकनीकी भावना को भरती हैं। ये क्लब तीन भागों में विभाजित हैं :-

### 1. सांस्कृतिक क्लब:

#### साज

संगीत क्लब साज क्लब गतिविधियों का हृदय एवं आत्मा है, यह छात्रों के मध्य बहुत ही लोकप्रिय है क्योंकि यह हमेशा से ही सांस्कृतिक मिश्रण एवं महाविद्यालय में उत्सव का माहौल बनाये रखता है। साज ने तरंग के दौरान अपना पूरा जलवा बिखेरा। साज ने आवेग - रॉक बैण्ड शो, एकल गायन, इन्स्ट्रुमेंटल राग इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किये।





## जज्बात

हुनर प्रेमियों का गढ़ होते हुए जज्बात एकांकी से लेकर नुक्कड़ नाटक इत्यादि कार्यक्रम प्रस्तुत करता है एवं हर बार अपनी रचनात्मकता से लोगों के दिल जीतने वाले नाटक करता है।

## अभिव्यक्ति

इस क्लब का उद्देश्य उत्साह से भरे हुए छात्रों से अपनी भावनाओं के उद्बोधन को कला के माध्यम से करने का है, कला के क्षेत्र में विभिन्न तकनीकियों एवं ज्ञान को छात्रों तक पहुंचाना है। इसका मुख्य उद्देश्य कला की एक समझ विकसित करना एवं कला में आनंद की खोज करना है।

## साहित्य सभा

इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों में वाक्पटुता, व्यक्तित्व विकास, साक्षात्कार हेतु संवादगुण एवं समूह वाद विवाद को विकसित करना एवं साहित्य के प्रति अभिरुचि एवं समालोचना के गुणों को विकसित करना है। इन सभी गतिविधियों में भाग लेकर छात्र अपनी बौद्धिक क्षमता को विकसित करते हुए मंच के भय को समाप्त कर सकते हैं।

## 2. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लब:

### प्रोग्रामिंग क्लब

प्रोग्रामिंग क्लब कम्प्यूटर प्रेमियों एवं प्रोग्रामरों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। यह क्लब बिना किसी पिछले अनुभव के भी नये सदस्य लेता है यह क्लब लिनक्स, जीनोम एवं मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर में गतिविधियां आयोजित करता है।

### ऑटोमेटिव फैब्रिकेशन क्लब

इस क्लब की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह संस्थान का सबसे विविध क्लब है एवं सभी विषयों से छात्रों को समाहित किये हुए है। यह छात्रों को अपने ज्ञान को बांटने हेतु एक मंच प्रदान करता है। जिससे छात्र समूह-गतिविधि, व्याख्यान, कार्यशालाओं एवं अधिवेशनों के माध्यम से एक दूसरे से जुड़ सकते हैं।

### रॉबोटिक्स क्लब

क्लब का मुख्य उद्देश्य छात्रों के मध्य रोबोटिक्स में रुचि विकसित करना एवं उसे प्रेरित करना है। यह क्लब उपकरणों, टूलों, घटकों में अपरिहार्य निर्देशन, कार्यशालायें एवं अध्यापन प्रदान करता है। यह क्लब TEAM - 'Together Everyone Achieves More' के सिद्धांत पर कार्य करता है।

### इलेक्ट्रॉनिक क्लब

यह क्लब विभिन्न विषयों के छात्रों के इलेक्ट्रॉनिक्स सर्किटों को समझने उन पर कार्य करने, उनको अभिकल्पित करने के अवसर प्रदान करता है।

### कैड क्लब

यह क्लब छात्रों को कैड उपकरणों को सीखने एवं उत्पादों को अभिकल्पित करने एवं डिवाइस और तंत्रों के निर्माण के भरपूर अवसर प्रदान करता है।

### शटर बॉक्स – फोटोग्राफी क्लब

यह क्लब छात्रों में फोटोग्राफी की रुचि को प्रोत्साहित करने का कार्य करता है। यह क्लब जबलपुर के विभिन्न क्षेत्रों की



यात्रा फोटो खींचने हेतु करता है। ये क्षेत्र डुमना नेचर रिजर्व, मदन महल, ग्वारीघाट एवं भेड़ाघाट इत्यादि हैं। विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों की तस्वीरें भी क्लब सदस्यों द्वारा समय समय पर ली जाती हैं।

### वेब अभिकल्पन क्लब

वेब अभिकल्पन क्लब वेबसाइट निर्माण हेतु एवं मुख्यतया वेब अनुप्रयोगों को उपयोग करने में नये विचारों एवं गुणों को उपयोग करने में नये अवसर प्रदान करता है।

### 3. क्रीड़ा क्लब:

#### क्रिकेट क्लब

पूरे साल क्रिकेट क्लब खेलों को आयोजित करता है, इस क्लब के सदस्य संस्थान के सभी बच्चों से हैं। क्रिकेट क्लब साल में दो बार प्रतियोगिताएं - छात्रावासानुसार, बैच अनुसार आयोजित करता है। एक अन्य कोस्को नामक प्रतियोगिता भी आयोजित की जाती है यह गस्टो में भी भाग लेता है।

#### एथलेटिक्स क्लब

यह क्लब छात्रों को हस्तपुष्ट एवं स्वस्थ रहने में मदद करता है प्रत्येक छात्र को किसी प्रकार की एथलेटिक्स गतिविधि में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करता है।

अन्य खेलकूद क्लब निम्नलिखित हैं -

बैडमिंटन क्लब, शतरंज क्लब, लॉन टेनिस क्लब, फुटबाल क्लब, कैरम क्लब, बास्केट बॉल क्लब, थ्रो बॉल, हैण्ड बॉल एवं वॉलीबाल क्लब।

वर्ष 2012-2013 हेतु छात्र जिमखाना परिषद का संगठन निम्नानुसार है:-

क्र.	नाम	पद	कार्यक्रम	शाखा	बैच
1	श्री नीरज राव	संयोजक	शोध उपाधि	ई सी ई	2011(ग्री)
2	श्री नितेश कश्यप	सदस्य	शोध उपाधि	ई सी ई	2011(ग्री)
3	श्री सौरभ तिवारी	सदस्य	शोध उपाधि	सी एस ई	2010(श.)
4	सुश्री वन्दना अरोड़ा	सदस्य	शोध उपाधि	एम ई	2010(श)
5	श्री ललित काणे	सदस्य	शोध उपाधि	सी एस ई	2011(ग्री)
6	श्री वरुण तिवारी	सदस्य	शोध उपाधि	एम ई	2011(ग्री)
7	श्री तमल घोष	सदस्य	शोध उपाधि	एम ई.	2011(ग्री)
8	श्री विकास मालवीय	सदस्य	शोध उपाधि	सी एस ई.	2012(श)
9	श्री रवीन्द्र सिंह	सदस्य	शोध उपाधि	अभिकल्पन	2011(ग्री)
10	श्री ज्ञानसिंह यादव	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर	सी एस ई	2010(ग्री)
11	श्री अभिनव भारद्वाज	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर	ई सी ई	2010(ग्री)
12	श्री आशीष जैन	सदस्य	डिजाइन स्नातकोत्तर	अभिकल्पन	2010(ग्री)
13	श्री संतोष राठौर	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर	सी एस ई	2011(श)
14	श्री नवीन वस्त्रकार	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर	ई सी ई	2011(श)
15	श्री मितेश निरंजन	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर	एम ई	2011(श)
16	श्री दीपक झा	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर	सी एस ई	2011(ग्री)



17	श्री घनेन्द्र कुमार	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर	ई सी ई	2011(ग्री)
18	श्री अंकित सक्सेना	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर	एम ई	2011(ग्री)
19	श्री लोकेश कुमार वर्मा	सदस्य	डिजाइन स्नातकोत्तर	अभिकल्पन	2011(ग्री)
20	श्री नीरज गोस्वामी	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर	एम टी	2011(ग्री)
21	श्री अनुज श्रीवास्तव	उपसंयोजक	प्रौद्योगिकी स्नातक	ई सी ई	2008
22	सुश्री राजबाला	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	ई सी ई	2008
23	सुश्री कीर्ति सिंह	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	सी एस ई	2008
24	सुश्री कोमल धवन	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	सी एस ई	2008
25	श्री शेखर गुप्ता	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	एम ई	2008
26	श्री मनीष पाण्डेय	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	सी एस ई	2009
27	श्री कविति केशव कुमार	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	ई सी ई	2009
28	श्री अंकुर अग्रवाल	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	ई सी ई	2009
29	सुश्री रिचा जैन	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	एम ई	2009
30	श्री दीपक केशवानी	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	एम ई	2009
31	श्री अनिल कुमार	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	सी एस ई	2010
32	श्री अंकित कुमार	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	सी एस ई	2010
33	श्री नितेश त्रिपाठी	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	सी एस ई	2010
34	श्री आदित्य शर्मा	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	ई सी ई	2010
35	श्री संजय साहू	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	ई सी ई	2010
36	श्री वरुण यादव	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	ई सी ई	2010
37	श्री शशांक	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	एम ई	2010
38	श्री शुभम यादव	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	एम ई	2010
39	श्री अभिषेक कुमार	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	एम ई	2010
40	श्री ऋषभ गुप्ता	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	सी एस ई	2011
41	श्री पीयूष श्रीवास्तव	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	सी एस ई	2011
42	श्री आकाश दीप	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	सी एस ई	2011
43	श्री विवेक कुमार	सदस्य	प्रौद्योगिकी स्नातक	ई सी ई	2011

छात्र जिमखाना द्वारा वर्ष में तीन वार्षिक कार्यक्रम आयोजित किये गये :-

1. "तरंग" सांस्कृतिक उत्सव
2. "अभिकल्पन" तकनीकी उत्सव
3. "गस्टो" खेल उत्सव





## विद्यार्थी उत्सव एवं कार्यक्रम

तरंग '13

सातवाँ वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव तरंग का आयोजन 07-10 फरवरी 2013 को किया गया। तरंग जबलपुर शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सर्वाधिक लोकप्रिय महोत्सव है। यह सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भारत के अग्रणी संस्थानों की प्रतिभा को आमंत्रित करता है। तरंग की महत्ता का ज्ञान इस बात से होता है कि तरंग में 150 महाविद्यालयों के छात्र भाग लेते हैं। 50 विभिन्न प्रतियोगिताओं प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, तात्कालिक भाषण, एकल अभिनय, एकल नृत्य, संगीत, नाटक, लिटरेरी इवेन्ट, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, रॉक बैंड प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह के पश्चात् कवि सम्मेलन "अर्ज" का आयोजन हुआ एवं भारत-पाश्चात्य मिश्रण रात्रि, आवेग का आयोजन हुआ और कार्यक्रम का समापन लोकप्रिय गायिका शिल्पा राव की प्रस्तुति के साथ हुआ।



TARANG 2013: 'INDO WESTERN FUSION NIGHT'

### विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव - अभिकल्पन

पं. द्वारका प्रसाद मिश्र, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर प्रतिवर्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव अभिकल्पन का आयोजन करता है। इस वर्ष अभिकल्पन 15-17 मार्च 2013 को आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न कार्यक्रम थे, दोनों तकनीकी एवं गैर तकनीकी ट्रेडिंग तकनीक पर कार्यशालाएं जैसे एन्ड्रयड और जुमला आदि। एम.ई., सी.एस.ई., ई.सी.ई., रोबोटिक्स एवं प्रबंधन के औपचारिक कार्यक्रम एवं अनौपचारिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।



Humanoid Robots on Display



Achyut Pallav's Calligraphy workshop





Robo-War



ABHIKALPAN 2013: student preparing for  
'ROBOWAR- RIGHT TO KILL'

### खेल महोत्सव- गस्टो :

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर में वार्षिक खेल उत्सव गस्टो प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी 29 सितंबर 2012 से 02 अक्टूबर 2012 तक आयोजित किया गया। गस्टो में विभिन्न खेलों की जैसे - क्रिकेट, वालीबाल, फुटबाल, बैटमिंटन, बास्केटबाल, लॉन टेनिस, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम इत्यादि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। खेल विद्यज एवं एथेलिटिक्स मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे।



GUSTO 2012: FOOTBALL MATCH



GUSTO 2012: CHESS COMPETITION

वार्षिक महोत्सवों के अतिरिक्त जिमखाना विद्यार्थियों के द्वारा वर्ष 2012-13 के दौरान कुछ अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये गये जोकि निम्नलिखित हैं-

### लिटरेरी क्लब:

लिटरेरी क्लब ने वाद-विवाद, कविता पाठ, आशु भाषण, रचानात्मक लेखन, समूह चर्चा, सेमीनार, पैनल डिस्कशन इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किये। लिटरेरी क्लब द्वारा वर्ष 2012-13 में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये गये।

1. लिटराटो डायनेमिक्स: संस्थान ने अपना पहला साहित्य महोत्सव 11-12 अक्टूबर 2012 को आयोजित किया। संस्थान के साहित्य क्लब के नेतृत्व में आयोजित इस उत्सव में विभिन्न प्रकार की साहित्यिक प्रतियोगिताएँ जैसे कि वाद-विवाद, पैनल वाद विवाद, आशुभाषण, कैफे, लिटरेली डे इत्यादि आयोजित हुये।



Faculty Panel Discussion on "Role of Teachers in developing Young India"

2. फिएस्ता द लितरेती : संस्थान ने साहित्य क्लब के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक उत्सव 7-8 मार्च 2013 को आयोजित किया। मुख्य आकर्षण का केन्द्र पैनल डिस्कशन रहा जिसका विचार बिन्दु "महिला सशक्तीकरण के सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव" था।



Panel Discussion on the occasion of International Women's Day

### कला एवं शिल्प क्लब

1. कलाकृति प्रदर्शनी का आयोजन 13-14 अक्टूबर 2012 का किया गया।
  2. इंद्रा महाविद्यालयीन प्रतियोगिता का आयोजन 10 नवंबर 2012 को किया गया।
  3. मुक्त कला प्रतियोगिता का आयोजन 20 जनवरी 2013 को किया गया।
- Events organized: Comic Art, Technical Painting, 3D Paper Modeling



### नाट्य क्लब

नाट्य क्लब जजबात ने संगीत एवं नृत्य क्लब के सम्मिलित प्रयासों के साथ सितम्बर 2012 एवं जनवरी 2013 में डी.एम. डी. का आयोजन किया। एकांकी, माइन, नुक्कड़ का आयोजन किया गया।

### संगीत क्लब

संगीत क्लब ने डी.एम.डी. के साथ-साथ एकल गायन, इन्ट्रूमेंटल एवं रॉक बैंड प्रतियोगिता आयोजित की।





### नृत्य क्लब

नृत्य क्लब ने एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, द्वैत नृत्य एवं शास्त्रीय नृत्य की विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की। प्रतीक मोदी नामक नृत्य शिक्षक से छात्रों को नृत्य की शिक्षा भी दिलाई गई।

### खेलकूद गतिविधियां



### स्पिक मैके

वर्ष 2012-13 में स्पिक मैके ने संस्थान में दो कार्यक्रम किये। सितम्बर 2012 में राजस्थानी संगीत का एवं जनवरी 2013 में एक लोक नृत्य 'छाउ नृत्य' का आयोजन किया।

### रक्त दान शिविर

13 अक्टूबर 2012 को जबलपुर की रेडक्रास सोसायटी ने संस्थान में रक्त दान शिविर का आयोजन किया।

### विवरणिका आयोजन

अर्थव्यवस्था, शिक्षा एवं ऊर्जा विषय पर 14 अक्टूबर 2012 को एक विवरणिका का आयोजन "Zeitgeist : The Addendum" हुआ।





## आईआईआईटीडीएमजे-जापान सहभागिता

भारत सरकार एवं जापान सरकार के मध्य हस्ताक्षरित समझौते के अंतर्गत आई.आई.आई.टी.डी.एम.जे.-जापान सहभागिता की स्थापना हुई है। समझौते के अंतर्गत दोनों पक्षों ने यह सुनिश्चित किया है कि निम्न बिन्दुओं के द्वारा पी.डी.पी.एम., आई.आई.आई.टी.डी.एम. जबलपुर को पोषित एवं उन्नत किया जाए:-

- जिन क्षेत्रों में जापान ने योग्य कौशल एवं विशेषज्ञता हासिल की है उन क्षेत्रों के विकास हेतु शैक्षणिक सहायता प्रदान की जाए।
- जापानी विश्वविद्यालयों, संस्थानों एवं औद्योगिक घरानों का एक कॉन्सोर्टियम बनाया जाए जिससे कि संस्थान को शिक्षा एवं अनुसंधान में शैक्षणिक सहायता दी जाए।
- जापान के उपरोक्त कॉन्सोर्टियम एवं अन्य संगठनों, आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर एवं जापान के विद्वानों के मध्य विनिमय स्थापित करना एवं कौशल विकास हेतु आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर के छात्रों द्वारा नीचे उद्धृत विषय 1 के अनुसार यात्रा करना।
- आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर के विकास हेतु सरकारी एवं निजी क्षेत्र से वित्तीय सहायता प्राप्त करना।
- कॉन्सोर्टियम के भागीदारों द्वारा संयुक्त रूप से भारत एवं जापान में अनुसंधान विषयों पर सम्मेलन, सिम्पोजिया एवं कार्यशालाएं आयोजित करना।
- आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर के साथ सहयोग के अन्य मोर्चों की तलाश करना एवं उन्हें विस्तीर्ण करना।

आई.आई.आई.टी.डी.एम.जे.-जापान सहभागिता के तहत आयोजित कार्यक्रमों एवं उन्नति का विस्तृत विवरण:-

### 1. अनुसंधान सहयोग में वृद्धि - सम्मिलित शोध कार्य एवं परियोजनाओं में बढ़ोतरी

(अ) Dr. Pritee Khanna and Prof. Yokota, Tokyo Institute of Technology are jointly working on "Image retrieval and indexing for fast large size image database applicable in internet search and related search queries in other domains for image recognition and identification of diseases".

(ब) Dr. Rajib Kumar Jha and Prof. K. Aizawa, University of Tokyo are working on "Dark and low contrast image enhancement using stochastic resonance". Their work is partially sponsored by OMRON Company.

(स) Dr. Prashant Kumar Jain, Dr. Pavan Kankar, Prof. Vijay Kumar Gupta from the Institute and Prof. Takashi Matsumura, Tokyo Denki University, Dr. Yoshimi Ito, Professor Emeritus, Tokyo Institute of Technology have submitted a project on "Dynamic Stability in Self-excited Chatter Vibration for Low-speed Milling" for financial support under JSPS-DST programme.

(द) Prof. P. Tandon, Prof. T. Sheorey, Prof. VK Gupta from the Institute and Prof. Warisawa, Tokyo, Prof. Tsuchiya, University of Tokyo, have completed their work on "Development of micro-pump with NEMS sensing function for automatic blood collecting and diagnostic system on handheld devices". The project was financially supported under JSPS-DST funding programme.

2. अमादा नवप्रवर्तन केन्द्र का 5 दिसम्बर 2012 को उद्घाटन :- जापान की आमाड़ा कम्पनी ने आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर को दो विनिर्माण कला मशीनें प्रदान की। अमाड़ा नवप्रवर्तन केन्द्र का उद्घाटन श्री अतुसुशिगे ऐयी, प्रबंधकीय निदेशक, अमाड़ा कम्पनी लिमिटेड जापान एवं श्री एस. टकानो, सीओओ, अमाड़ा इंडिया एवं प्रो. अपराजिता ओझा, निदेशिका, आई.आई.आई.टी.डी.एम.जबलपुर की उपस्थिति में प्रो. श्री एस. वी. राघवन, संचालक मण्डलाध्यक्ष ने किया। मशीन का कुल मूल्य + 2,40,000 है। मशीनों का विवरण निम्नानुसार है-





- AMADA Sheet Metal Cutting Machine - Punching Machine: MODEL : AE255NT
- AMADA Sheet Metal Cutting Machine - PRESS BRAKE, MODEL : RGM23512AT
- AMADA PROGRAMMING SOFTWARE: MODEL : AP100NT

### 3. जापानी विशेषज्ञों की आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर यात्रा-अध्यापन में सहयोग

आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर को अध्यापन में सहयोग हर वर्ष आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर में अध्यापन हेतु लगभग 8-15 जापानी विशेषज्ञ इस वर्ष भी जापानी विद्या एवं औद्योगिक जगत की महान हस्तियों ने आई.आई.आई.टी.डी.एम., जबलपुर की धरती पर कदम रखे। उनमें से प्रो. योशिमि इटो, इमेरिटस प्रोफेसर, टोकियो प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रो. एम. कियुची, तकाशी नान्या, अनुसंधान सलाहकार, केनन एवं प्रो. केनीची मिउरा, राष्ट्रीय इन्फॉर्मेटिक्स संस्थान, टोकियो प्रमुख है। उन्होंने संस्थान में विभिन्न विषयों में व्याख्यान दिए एवं अध्यापन को विस्तीर्ण करने में सहयोग किया। निम्न विशेषज्ञों ने संस्थान का वर्ष 2012-13 में दौरा किया।

क्र.	नाम	पाठ्यक्रम	संस्थान से संबंधित	समयावधि
1.	प्रो. एच. काटो	एडवांस्ड कम्प्यूटर आर्किटेक्चर	शोनन प्रौद्योगिकी संस्थान	7 जनवरी से 1 मार्च 2013
2	प्रो. जे. सीसी	डाटा माईनिंग	टोकियो प्रौद्योगिकी संस्थान	7 जनवरी से 11 जनवरी 2013
3	प्रो. के. मिउरा	पैरेलल प्रोसेसिंग	राष्ट्रीय इन्फार्मेटिक्स संस्थान, टोकियो	28 जनवरी से 1 फरवरी 2013
4.	प्रो. एन. तकाशी	डिपेन्डेबल कम्प्यूटिंग	भारत जापान सहभागिता से संरक्षक	18 मार्च से 22 मार्च 2013
5	प्रो. ओ. मसातो	नेटवर्क कम्प्यूटिंग	ओचानोमिजो विश्वविद्यालय, जापान	1 अप्रैल 2013 से 5 अप्रैल 2013
6.	प्रो. एस. सकाई	विजुअल डिजाइन	वसेदा विश्वविद्यालय, जापान	25 फरवरी 2013 से 28 फरवरी 2013
	प्रो. एस. सकाई	अनुसंधान एवं शिक्षण कार्यक्रमों का निरीक्षण	वसेदा विश्वविद्यालय, जापान	1 मार्च 2013 से 2 मार्च 2013
7	प्रो. एन. इवात्सुकी	डिजाइन एण्ड कंट्रोल रिडन्डेंट रोबोट	टोकियो प्रौद्योगिकी संस्थान, जापान	18 मार्च 2013 से 21 मार्च 2013
8.	प्रो. के. सूनेमोटो	अल्ट्रा माइक्रो प्रेसीजन मशीनिंग इन्क्लूडिंग इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट	टोहोकु विश्वविद्यालय सेंडई, जापान	01 अप्रैल 2013 से 5 अप्रैल 2013
9	प्रो. टी. ओनो	एम.ई.एम.एस. एण्ड माइक्रो-नैनो-फैब्रिकेशन	टोहोकु विश्वविद्यालय सेंडई, जापान	01 अप्रैल 2013 से 5 अप्रैल 2013



#### 4. दीर्घावधि इन्टर्नशिप प्रस्ताव-

केनन कम्पनी, चिबा विश्वविद्यालय, मितुशिबी हैवी इण्डस्ट्रीज लिमिटेड एवं सोना कोयो स्टिअरिंग सिस्टम्स ने संस्थान को दीर्घावधि इन्टर्नशिप प्रस्ताव प्रदान किये। अधिकांश अवसर स्नातक छात्रों को प्रदान किए गए। समयावधि लगभग छः माह थी। वर्ष 2012-13 में निम्न छात्रों ने जापान के विश्वविद्यालयों एवं उद्योगों का दौरा किया -

- आदर्श अभिनव - Mitsubishi heavy Ind. Ltd., Japan
- दीपक केशवानी - Mitsubishi heavy Ind. Ltd., Japan
- अनुभव मिश्र - Canon Japan
- सिमरदीप सिंह जौली - Canon Japan
- अंकुर अग्रवाल - Chiba University, Japan

इसके अतिरिक्त लघुअवधि हेतु दो परास्नातक विद्यार्थियों ने इन्टर्नशिप की

- अंकित सक्सेना
- सुतीर्थ त्रिपाठी

#### 5. संगोष्ठियों, सम्मेलनों एवं कार्यशालाओं का संयुक्त संयोजन -

वर्तमान में अभिकल्पन कार्यशाला संस्थान की नियमित विशेषता बन गयी है। अक्टूबर 2010 में यह आयोजित हुई। मार्च 2012 में लघु-अभिकल्पन कार्यशाला एवं अभिकल्पन कार्यशाला- 2012 5 से 7 दिसम्बर 2012 को आयोजित हुई। कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों, छात्रों एवं औद्योगिक विशेषज्ञों के मध्य अभिकल्पन विचारों का विनिमय करना है।

#### 6. जापान सरकार द्वारा जापानी विशेषज्ञों द्वारा स्नातकोत्तर छात्रों की मेंटरशिप हेतु वित्तीय सहयोग -

चिबा विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर मेंटरशिप कार्यक्रम के तहत एक विद्यार्थी को वित्तीय सहायता प्रदान की गई। इस कार्यक्रम को अधिक मजबूत किए जाने की आवश्यकता है।

#### 7. स्नातकोत्तर मेंटरशिप कार्यक्रम -

अर्पित गुप्ता नामक छात्र ने अपना प्रौद्योगिकी परास्नातक मैकेट्रॉनिक पाठ्यक्रम प्रो. के नोनामी, प्राध्यापक, चिबा विश्वविद्यालय एवं प्रो. विजय कुमार गुप्ता, आई.आई.आई.टी.डी.एम.जे.के अंतर्गत सम्पन्न किया हर साल इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं।

#### 8. किजुना (बॉण्ड) परियोजना -

संस्थान के सात छात्रों ने किजुना युवा विनिमय कार्यक्रम के तहत 4 से 13 फरवरी 2013 को जापान की यात्रा की। यह कार्यक्रम जापान में भूकंप से हुए विनाश की वैश्विक साझेदारी को महसूस करने की ओर केन्द्रित है।

- शुभम तिवारी (2010187)
- अनिल कुमार (2010023)
- सुरभि सिंह (2010196)
- मयंक गर्ग (2010107)
- विकास सिंह (2010210)
- हरप्रीत कौर मकन (2010251)
- नितिन चंद्र (2010127)



## अमादा विनिर्माण नवप्रवर्तन केन्द्र

अमादा अध्यक्ष श्री एम. ओकामोटो ने दो शीट मेटल प्रोसेसिंग मशीन AE255NT, RGM23512AT PRESS BRAKE AP100NT साफ्टवेयर पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर को 5 दिसम्बर 2012 को प्रदान की। मशीनों का मूल्य 3.5 करोड़ रुपये है। पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर जल्द ही इन मशीनों के उपयोग से शीट मेटल फैब्रिकेशन पर एक कोर्स प्रारंभ करेगा। केन्द्र सरकार के अधिकारियों एवं अमादा के बोर्ड सदस्यों ने आधिकारिक रूप से ये घोषणा की कि नई सुविधाओं को अमादा विनिर्माण नवप्रवर्तन केन्द्र का नाम दिया जायेगा। जापान की अमादा कम्पनी ने पहले भी आई.आई.टी.डी.एम जबलपुर को मशीनें प्रदान की हैं।

प्लैटीनम स्पॉन्सर होने के नाते अमादा ने आई.आई.टी. में होने वाली वार्षिक ग्लोबल एलुमनाइड कांफ्रेंस को सहयोग दिया। हम भारत के शीट मेटल प्रोसेसिंग उद्योग को उन्नत बनाने हेतु प्रयास करते रहेंगे।



Punching Machine AE255NT & Software  
installed at PDPM IIITDM Jabalpur



Inauguration of AMADA Manufacturing and Innovation Centre by Prof. S.V. Raghavan – Chairman BOG and Scientific Secretary to the Office of the Principal Scientific Advisor, Govt. of India in presence of Mr. Atsushige Abe, - Managing Director, AMADA Co Ltd., Japan and Director Prof. Aparajita Ojha



Demonstration of Punching Machine AE255NT & Software to guests by AMADA staff



Machine hand over ceremony: Mr. Atsushige Abe handing over machines to Prof. S.V. Raghavan





## संगोष्ठियां, कार्यशालायें, सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

### एन पी टी ई एल कार्यशाला

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर ने संयुक्त रूप से संस्थान परिसर में 31 मार्च से 1 अप्रैल 2012 तक एन.पी.टी.ई.एल. कार्यशाला का आयोजन किया यह मध्य प्रदेश में हुई ऐसी पहली कार्यशाला है। इसका उद्देश्य पाठ्यक्रम आधारित अधिवेशनों का आयोजन करना था। कार्यशाला के मुख्य बिन्दु संगणक केन्द्र अभ्यास सत्र थे। प्रथम चरण में विकसित किये गये एन पी टी ई एल के सभी पाठ्यक्रम एवं द्वितीय चरण के सभी कार्यक्रम 27 विभिन्न संस्थानों के लगभग 170 प्रतिभागियों द्वारा देखे गये। अंत में एक परिणाम सत्र आयोजित किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने अपना फीडबैक जमा किया। इस कार्यशाला में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, विज्ञान एवं गणित के विषयों को समाहित किया गया। कार्यशाला के संयोजक डॉ. सात्यकि राय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर एवं प्रो. तनुजा शेवड़े, आई.आई.आई.टी.डी. एम. जबलपुर थे।



### तरंगिका कार्यशाला (WoW) 2012

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर ने 13-15 जुलाई 2012 तक 'तरंगिका एवं उसके अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला ने विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के विभिन्न आयामों में तरंगिका के प्रयोगों को समाहित किया। तरंगिका के सामान्य अनुप्रयोगों एवं साथ ही साथ उन्नत स्तर की अभिधारणाओं पर व्याख्यान हुए। पिछले कुछ दशकों में तरंगिकाओं के जो सिद्धांत उभर कर सामने आए हैं, उन्हें कार्यशाला में शामिल किया गया। वॉव 2012 ने लोगों को तरंगिकों के व्यवसायिक अनुप्रयोगों जैसे - सुरक्षात्मक प्रयोग, बायोमेट्रिक प्रयोग फॉल्ट क्लासिफिकेशन में कार्यानुभव प्रदान किया।



### ग्राफ एवं ज्योमेट्रिक एल्गोरिदम विषय पर अनुसंधान प्रोत्साहन कार्यशाला

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर में 1 से 3 नवम्बर 2012 तक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। यह कार्यशाला राष्ट्रीय उच्चतर गणित बोर्ड द्वारा वित्त पोषित थी। यह कार्यशाला डॉ. प्रीति खन्ना, डॉ. श्रबन कुमार मोहन्ती, टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, बाम्बे के प्रो. सुबीर कुमार घोष, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के प्रो. सुदेवकुमार प्रशांतपाल ने सम्मिलित रूप से आयोजित की। ग्राफ एवं ज्योमेट्रिक एल्गोरिदम कम्प्यूटर अनुप्रयोगों के केन्द्र बिन्दु हैं इस कार्यशाला ने प्रतिभागियों को ग्राफ एवं ज्योमेट्रिक एल्गोरिदम के बारे में परिचयात्मक जानकारी प्रदान की ताकि भविष्य में नये एल्गोरिदमों की अभिकल्पना की जा सके। कार्यशाला में अद्वितीय वक्ताओं द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के हल के तौर पर विभिन्न ग्राफ एवं एल्गोरिदमों को प्रस्तुत किया गया।

### अभिकल्पन एवं विनिर्माण में नवप्रवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर में अभिकल्पन एवं विनिर्माण में नवप्रवर्तनों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 5 से 7 दिसंबर 2012 तक किया गया। सम्मेलन का मुख्य बिन्दु अभिकल्पन प्रेरित विनिर्माण का समेकित एवं सर्वांगीण दर्शन था। सम्मेलन में अभिकल्पन एवं विनिर्माण क्षेत्र में सिद्धांतों, विश्लेषणों एवं प्रयोगों में हाल में ही हुए विकासों एवं नवप्रवर्तनों को समझाने हेतु एक अंतर्राष्ट्रीय फोरम प्रदान किया। सम्मेलन में अभिकल्पन एवं विनिर्माण क्षेत्र के प्रमुख वैज्ञानिकों एवं शोध कर्ताओं को अपने विचारों एवं परिणामों को व्यक्त करने हेतु आमंत्रित किया गया।







### अभिकल्पन अभियांत्रिकी विषय पर अंतर्राष्ट्रीय अभिकल्पन कार्यशाला

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर में अभिकल्पन अभियांत्रिकी विषय पर अंतर्राष्ट्रीय अभिकल्पन कार्यशाला का आयोजन 5 से 7 दिसंबर 2012 तक किया गया। कार्यशाला के मुख्य लक्ष्य निम्नानुसार थे :

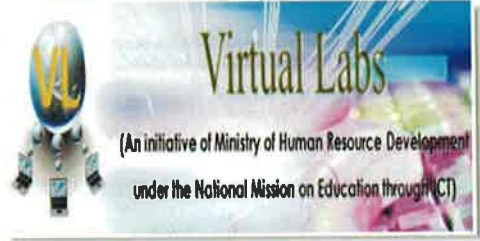


- उत्पाद प्रक्रिया एवं तंत्र विकास के दौरान औपचारिक अभिकल्पन की प्रक्रिया के महत्व को समझना।
- विकास प्रक्रम में अभिकल्पन एवं तकनीकी को समाहित कर सकने योग्य गुणों एवं ज्ञान को समझना।
- उत्पाद प्रक्रिया एवं तंत्र विकास की रचनात्मक समझ के साथ उन्हें अभिकल्पन के क्षेत्र से परिचित एवं जागरूक कराना।
- अभिकल्पन एवं अभियांत्रिकी को उत्पाद विकास में लाने हेतु एक समेकित समझ विकसित करना एवं इस प्रकार की चीजों को बढ़ावा देना।
- औपचारिक अभिकल्पन प्रक्रम को अपनाते समय इसके लाभों को प्रदर्शित करना।
- अभियांत्रिकी में औपचारिक अभिकल्पन प्रक्रम को अपनाते समय इसके लाभों को प्रदर्शित करना एवं इसको नियमित व्यवहार में लाना।

कार्यशाला में विभिन्न अभियांत्रिकी क्षेत्रों के अभिकल्पन व्यवसायियों, अनुसंधान कर्ताओं एवं छात्रों ने उपस्थिति दर्ज की।

### वर्चुअल प्रयोगशाला पर कार्यशाला

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर में वर्चुअल प्रयोगशाला पर कार्यशाला का आयोजन 18-19 दिसंबर 2012 तक किया गया। कार्यशाला के संयोजक प्रो. तनुजा शेवड़े एवं प्रो. विजय कुमार गुप्ता थे। नेशनल मिशन ऑन एजुकेशन यूजिंग इनफॉर्मेशन एण्ड कम्यूनिकेशन टूल के अंतर्गत मानव संसाधन



विकास मंत्रालय द्वारा समर्थित यह कार्यशाला वर्चुअल प्रयोगशालाओं को विकसित करने की परियोजना का हिस्सा है। यह गतिविधि परियोजना की मुख्य प्रावस्था में आयोजित की गई। यह गतिविधि मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रयोगशाला आधारित पाठ्यक्रम के सिम्यूलेशन आधारित प्रयोगों को विकसित करने के लिये थी। यह विचार इसलिये विससित हुआ कि भारत के अग्रणी तकनीकी संस्थानों के समस्त विद्यार्थी खर्चीले उपकरणों एवं संसाधनों का उपयोग कर सकें। वर्चुअल प्रयोगशालाओं का उपयोग निम्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए किया गया है :-

1. छात्रों को आधारभूत अभिधारणायें समझाने के लिए, उनकी विचार शक्ति को बढ़ाने के लिए एन.पी.टी.ई.एल. के पूरक के रूप में वर्चुअल प्रयोगशालाओं को विकसित किया गया है।
2. वर्चुअल प्रयोगशालायें एक स्वाध्यायी उपकरण के साथ साथ निर्देशनीय उपकरण भी साबित होंगी। यद्यपि वर्चुअल प्रयोगशालायें वास्तविक प्रयोगशालाओं को कभी भी प्रतिस्थापित नहीं कर सकती क्योंकि वर्चुअल प्रयोगशालायें “स्पर्श एवं महसूस” प्रदान नहीं कर सकती।
3. प्रयोग के परिणाम निम्न रूपों में दिये जायेंगे:-
  - भौतिक परिदृश्य को समीकरणों के समूह के रूप में प्रदर्शित कर सिम्यूलेशन करके प्रयोग विशेष के परिणामों को दिखाना। यह वास्तविक जीवन के प्रयोगों का लगभग -रूप होगा।
  - वास्तविक मशीन पर किये गये मापों को वर्चुअल प्रयोगशाला में मापित डाटा के रूप में प्रदान करना। यह वास्तविक प्रयोगों के समीपस्थ होगी।



### कम्प्यूटर प्रशिक्षण का आयोजन

हमारे संस्थान को जबलपुर के समस्त 16 विभागों के अधिकारियों को बेसिक कम्प्यूटर एवं एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण देने के लिए मध्य प्रदेश की ई-शासन समिति ने चयनित किया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 345 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण 07 बैच में होना सुनिश्चित हुआ। यह प्रशिक्षण दिनांक 19.09.2012 से प्रारंभ किया गया और प्रत्येक बैच के लिए चार-दिवसीय कार्यक्रम निर्धारित किया गया। डॉ. प्रीति खन्ना, प्रधान, कम्प्यूटर प्रशिक्षण विभाग का इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सराहनीय योगदान रहा जो कि संस्थान की तरफ से इस कार्यक्रम की समन्वयक थी। संस्थान के शिक्षकगण डॉ. पवन कुमार कांकर, श्री मनीष श्रीवास्तव

व श्री शारिक हुसैन के प्रयास सराहनीय रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु संस्थान के अधिकारी, स्नातक व परास्नातक विद्यार्थियों ने भी अपने शिक्षकों का पूरा साथ दिया। प्रथम बैच में 81 प्रतिशत प्रतिभागियों की राय में प्रशिक्षण सराहनीय रहा।



### हिन्दी पखवाड़ा 2012

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान ने 14 से 28 सितम्बर 2012 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया चूँकि संविधान सभा ने 14 सितंबर सन् 1949 को हिंदी भाषा को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया अतः 14 सितंबर हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। पखवाड़े के दौरान छात्रों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगितायें एवं कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें कर्मचारियों, छात्रों ने भरपूर भाग लिया। समापन समारोह का आयोजन 28 सितम्बर को किया गया जिसमें जबलपुर की प्रसिद्ध साहित्यविद् प्रो. निशा तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किये गये।



### सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2012

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2012 का आयोजन संस्थानतंत्र में पारदर्शिता एवं सत्यनिष्ठा लाने हेतु किया गया। सप्ताह की शुरुआत 29 अक्टूबर 2012 को सभी कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा एवं पारदर्शिता की शपथ लेकर हुई। पूरे सप्ताह के दौरान सतर्कता से संबंधित विभिन्न प्रतियोगितायें जैसे आधुनिक समय में बढ़ते हुए भ्रष्टाचार विषय पर वाद विवाद, सतर्कता जागरूकता विषय पर





भाषण इत्यादि आयोजित किये गये। भारी मात्रा में कर्मचारियों ने भाग लिया एवं विभिन्न बिन्दुओं पर अपने अनुभवों को व्यक्त किया। संस्थान के विभिन्न मुख्य स्थानों पर झण्डे एवं पोस्टर लगाये गये।

सप्ताहांत के दिन अर्थात् 2 नवम्बर 2012 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान से संबंधित ठेकेदारों, छात्रों एवं छात्रों के अविभावकों को आमंत्रित किया गया। आमंत्रित व्यक्तियों से संस्थान की कार्यविधि पर फीड बैक भी लिये गये। सप्ताह का समापन समारोह 2 नवम्बर 2012 को मनाया गया जिसमें श्री एस.पी.यादव, महाप्रबंधक गन कैरिज फेक्ट्री, जबलपुर मुख्य अतिथि थे।

### अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर में अंतर्राष्ट्रीय दिवस का आयोजन 3 दिसंबर 2012 को किया गया। दिवस को मनाने का उद्देश्य विकलांग व्यक्तियों के संदर्भ में जागरूकता फैलाना, आपसी समझ को बढ़ाना एवं उनके प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि करना था। अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस पर एक परिचर्चा आयोजित की गई थी। श्री दीपक खांडेकर, कमिश्नर जबलपुर, मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किये गये थे संस्थान के विभिन्न स्थानों पर बैनर लगाकर संबंधित सूचनाओं के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई।



### प्रशिक्षण कार्यक्रम

एम्पावर : इरिकसन प्रशिक्षण कार्यक्रम 2012-13

इरिकसन ने देश के अधिकतर अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के छात्रों को प्रशिक्षित करने हेतु एक कार्यक्रम शुरू किया है। “एम्पावर” नामक इस प्रशिक्षण प्रोग्राम हेतु संस्थान के स्नातक अंतिम वर्ष के 47 छात्र चुने गये। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को रोजगार हेतु अतिरिक्त ज्ञान से सामर्थशाली बनाना था। कार्यक्रम आधुनिकतम ताररहित तकनीकियों जैसे जी.एस.एम. एवं डबल्यू.सी.डी.एम.ए. पर आधारित था। इरिकसन के विशेषज्ञों ने सम्बन्धित विषयों पर व्याख्यान दिये। विशेषज्ञों ने छात्रों को सैल नियोजन, सैल क्षेत्रों, प्रयोगिक एन्टीना, प्रोग्राम्स एवं एल्गोरिदमों के प्रयोग विषयों पर अभिभाषण दिये। वेब आधारित अध्ययन के बारे में छात्रों द्वारा किये गये प्रश्नों का उचित जवाब दिया गया। कार्यक्रम का अंत एक प्रमाणपत्र परीक्षा द्वारा हुआ जिसमें कि 70 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को इरिकसन ने एम्पावर प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रमाण पत्र जारी किये।







## आधारभूत संरचना विकास

### मौजूदा आधारभूत संरचना

संस्थान जबलपुर अभियांत्रिकी महाविद्यालय से अपने परिसर में जुलाई 2009 में स्थानांतरित हुआ। तब से संस्थान निरंतर आधारभूत संरचना का विकास कर रहा है। कक्षाओं के संचालन हेतु अस्थायी तौर पर कुछ कक्ष तैयार किये गये। इसके अलावा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को निर्माण एवं विकास की जिम्मेदारी दी गई। संस्थान के अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कुछ भवनों के निर्माण के साथ केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को बाकी भवनों के निर्माण का कार्य सौंपा गया। वित्त वर्ष 2012-2013 के अंत तक 28 विशाल एवं लघु परियोजनाएँ केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा ली जा चुकी हैं। भवनों एवं अन्य संरचना के निर्माण की स्थिति निम्न है:-

- 1. कोर लैब कॉम्प्लेक्स:-** वर्तमान में यह संस्थान का मुख्य भवन है। इस भवन में कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, संगणक केन्द्र एवं अस्थायी विभाजन द्वारा निर्मित संकाय कक्ष हेतु पर्याप्त स्थान है। अतिरिक्त शैक्षणिक स्थानों, कार्यशालाओं एवं प्रयोगशालाओं आदि की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कुछ अस्थाई संरचनाओं का निर्माण किया गया है। इस भवन के आसन्न फुटपाथ से जुड़ा एक कैंटीन भी है। भवन के नजदीक ही उचित पार्किंग व्यवस्था भी विकसित की गई है।
- 2. छात्रावास भवन (1):-** इस एकल कक्षीय छात्रावास की क्षमता 408 छात्रों की है। छात्रावास में ही भोजन के लिए उचित व्यवस्था है। अध्ययन कक्ष, व्यायामशाला, टीवी कक्ष आदि की व्यवस्था की गई है ताकि छात्र अपने खाली समय का उचित उपयोग कर सकें। कैंटीन, स्टेशनरी की दुकान, फोटोकॉपी की दुकान आदि का निर्माण भवन के पास ही किया गया है। यह भवन शैक्षणिक भवन एवं अन्य छात्रावास भवनों से पगडंडी के माध्यम से जुड़ा है।
- 3. छात्रावास भवन (3):-** यह भवन एक त्रि-कक्षीय छात्रावास भवन है जिसकी क्षमता 498 छात्रों की है। वर्ष के दौरान भवन पूरी तरह छात्रों से भरा रहता है। अस्थायी विभाजन के द्वारा रसोई एवं भोजनालय के स्थान का विकास किया गया है। भवन के अन्दर ही कैंटीन की शुरुआत की गयी है। छात्रों की पाठ्यक्रमोत्तर गतिविधियों हेतु नृत्य एवं नाट्य कक्ष टीवी कक्ष, संगीत कक्ष, अध्ययन कक्ष, खेल का स्थान आदि का विकास भवन के अन्दर ही किया गया है।
- 4. छात्रावास भवन (4):-** यह भवन एक त्रि-कक्षीय छात्रावास भवन है जिसकी क्षमता 498 छात्रों की है। यह भवन लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित किया गया एवं आंशिक रूप से भरा हुआ है। नृत्य एवं नाट्य कक्ष, दूरदर्शन कक्ष, संगीत कक्ष एवं सामान्य खेल क्षेत्र भी इस हॉल में विकसित किये गये हैं।
- 5. सुरक्षा भवन :-** यह भवन केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित किया गया किन्तु वर्तमान में यह नियोजन भवन एवं परास्नातक प्रयोगशालाओं के लिए प्रयोग में लिया जा रहा है।
- 6. लेक्चर हॉल एवं ट्यूटोरियल कॉम्प्लेक्स :-** इस भवन का 8 व्याख्यान कक्षों का हिस्सा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा संस्थान को उपयोग हेतु दे दिया गया है, जिसमें कि कक्षाएँ एवं कुछ कक्षों में कार्यालय स्थापित हो चुके हैं। वर्ष के दौरान छात्रों की आउटडोर खेल सुविधाओं हेतु बॉलीवाल कोर्ट, टेनिस कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, क्रिकेट, फुटबॉल के मैदान आदि का विकास किया गया। छात्रों ने अपना खेल उत्सव “गस्टो” दो वर्षों से परिसर में ही मनाया है। इसके अतिरिक्त एक इनडोर बैटमिंटन कोर्ट का निर्माण भी सम्पन्न हो चुका है।





Hall of Residence - IV completed: Capacity 498



Basket Ball Court Complex  
under construction

Visitors Hostel under  
construction





**Lecture Hall and Tutorial Complex under construction**



**Residential Flats – Narmada Residency- II and Narmada Residency III under construction**



**Library-cum-Computer center under construction**



बोरवेल के माध्यम से पूरे कैम्पस में जल की व्यवस्था की गई है। पानी की 24 घंटे उपलब्धता पूरे क्षेत्र में है। एक आर.सी.सी. जल टैंक का निर्माण आर.सी.सी. संप वेल के साथ केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग ने कर दिया है ताकि समस्त भवनों को पानी की मांग के अनुसार पुनर्भरण किया जा सके। बिजली की निर्बाध आपूर्ति म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि. से 33 किलो वाट एच.टी. बिजली कनेक्शन एक अलग फीडर के माध्यम से सुनिश्चित की गई है। आपातकालीन विद्युत विफलता के दौरान बिजली आपूर्ति हेतु दो डीजल जनरेटर एक 45 के.वी.ए. क्षमता एवं दूसरा 250 के.वी.ए. क्षमता का उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त एक 1000 के.वी.ए. क्षमता का डी.जी. स्थापित होने जा रहा है। परिसर में स्वच्छता की गुणवत्ता बनाये रखने के लिए एक पृथक स्थान पर मलजल उपचार संयंत्र, भू-जल पुनर्भरण हेतु एक अवसादन टैंक के साथ है। मलजल उपचार पाइपों की स्थापना का कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा पूरा किया जा चुका है। संस्थान के सभी अधिकृत भवन पैदल रास्तों एवं सड़क प्रकाश से जोड़े गये हैं। महत्वपूर्ण एवं उपयोगी क्षेत्रों में प्रकाश व्यवस्था प्रदान की गई है।

#### नवीन अधोसंरचना का विकास:

संस्थान ने वर्ष के दौरान अधोसंरचना के विकास में गहरी रुचि दिखाई। प्रमुख निर्माण कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को सौंपे गये हैं, संस्थान ने नई परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित किया। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा सुरक्षा भवन, हॉल ऑफ रेसीडेन्स 4, टैंक, वेल का निर्माण कार्य पूर्ण किया। वर्ष के दौरान निम्न भवनों का निर्माण कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है :-

1. लेक्चर हॉल एवं ट्यूटोरियल काम्प्लेक्स: संस्थान का प्रमुख भवन जिसका प्लिनथ क्षेत्रफल 10555 वर्ग.मी. है एवं अनुमानित लागत ₹ 3732 लाख है। भवन का भूमि पूजन 18 नवंबर 2011 को संपन्न हुआ। कार्य की प्रगति संतोषजनक है।
2. नर्मदा रेसीडेन्सी -2 : दो बेडरूम वाले 55 स्टाफ क्वार्टर जिसकी अनुमानित लागत ₹ 1599.7 लाख है। इस भवन का भूमि पूजन 18 नवंबर 2011 को संपन्न हुआ। कार्य की प्रगति संतोषजनक है।
3. नर्मदा रेसीडेन्सी-3: तीन बेडरूम वाले 60 क्वार्टर संकाय सदस्यों हेतु जिसकी अनुमानित लागत ₹ 2586.42 लाख है। इस भवन का भूमि पूजन 18 नवंबर 2011 को संपन्न हुआ। कार्य की प्रगति संतोषजनक है।
4. बास्केटबॉल कोर्ट (इन्डोर) : छात्रों के लिए इन्डोर खेल की सुविधा जिसकी अनुमानित लागत ₹ 474.83 लाख है। इस भवन का भूमि पूजन 18 नवंबर 2011 को संपन्न हुआ। कार्य की प्रगति संतोषजनक है।
5. सेक्यूरिटी बैरक से हॉल ऑफ रेसीडेन्सी 1 तक रोड : हॉल 1 से सेक्यूरिटी बैरक तक सीसी रोड का निर्माण किया जा रहा है जिसकी अनुमानित लागत ₹ 115 लाख है।
1. 2 टाईप 5 क्वार्टर : भवन का प्लिनथ क्षेत्रफल 370 वर्ग.मी. है। जिसकी अनुमानित लागत ₹ 73 लाख है। यह भवन हॉल ऑफ रेसीडेन्स 1 के निकट है एवं छात्रावास वार्डन को आवास प्रदान करेगा।
2. पुस्तकालय एवं संगणक केन्द्र भवन : भवन का प्लिनथ क्षेत्रफल 6120 वर्ग.मी. है। जिसकी अनुमानित लागत ₹ 2,359 लाख है। निर्माण कार्य प्रगति पर है एवं प्रगति संतुष्टिपूर्ण है।
3. छात्रावास भवन-7 (प्रावस्था-1): प्लिनथ क्षेत्रफल 6135 स्वे.मी., अनुमानित लागत ₹ 1237 लाख। यह छात्रावास 98 विवाहित स्नात्कोत्तर छात्रों को आवास प्रदान करेगा। भवन निर्माण हेतु निविदा जारी की जा चुकी है।
4. छात्रावास भवन- 7 (प्रावस्था -2): प्लिनथ क्षेत्रफल 9500 स्वे.मी., अनुमानित लागत ₹ 2369 लाख। यह एकल सीटर भवन 404 स्नात्कोत्तर छात्रों को आवास प्रदान करेगा। फेसिलिटी ब्लॉक वेल का इस छात्रावास से अच्छा संपर्क रहेगा।





5. अतिथि विश्राम गृह: प्लीन्थ क्षेत्रफल 2555 स्के.मी., अनुमानित लागत ₹ 1185 लाख। इस भवन में संस्थान के अतिथियों के लिए 6 सुईट्स, एक फेसीलिटी ब्लाक, 30 डबल बेड कक्ष रहेंगे।

6. रेवा रेसीडेंसी 2ए : भवन का प्लीन्थ क्षेत्रफल 6550 वर्ग. मी. है। इसकी अनुमानित लागत ₹ 1440 लाख है। इस भवन में 72 स्टाफ क्वार्टर होंगे।



SURAKSHA BAHAVAN

निम्न परियोजनाओं पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को सूचित किया जा चुका है:-

1. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र : भवन का प्लीन्थ क्षेत्रफल 1532 वर्ग.मी. है। अनुमानित ₹ 495 लाख है।

2. छात्र गतिविधि केन्द्र : अनुमानित लागत ₹ 1816 लाख है। यह भवन छात्रों को इन्डोर खेलों की पर्याप्त सुविधा प्रदान करेगा।

3. छात्रावास भवन-8 (छात्रा आवास) : भवन में एकल एवं त्रिक कक्षीय कक्षों के साथ 250 छात्राओं की क्षमता होगी। इस भवन का प्लीन्थ क्षेत्रफल 6406 वर्ग.मी. है। अनुमानित लागत ₹ 1512 लाख है।



BHUMI PUJAN-LIBRARY CUM COMPUTER CENTRE





Equipment procured during 2012-13



AMADA Bending Machine



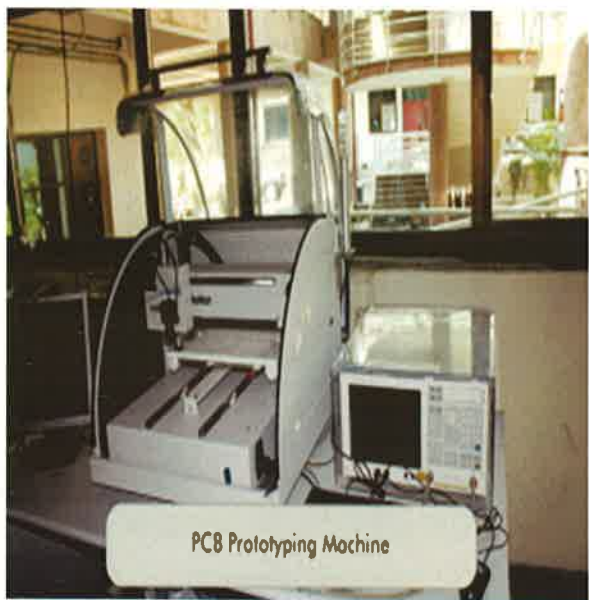
AMADA Punching Machine



Four Tank System



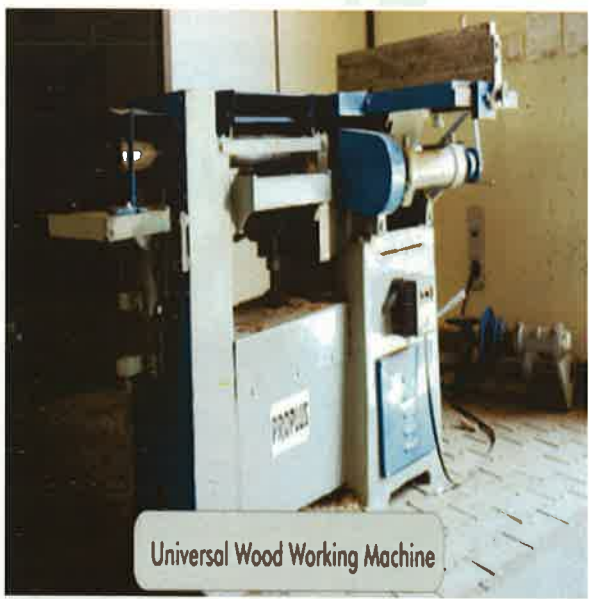
Interactive & Non-interactive  
conical Tank System



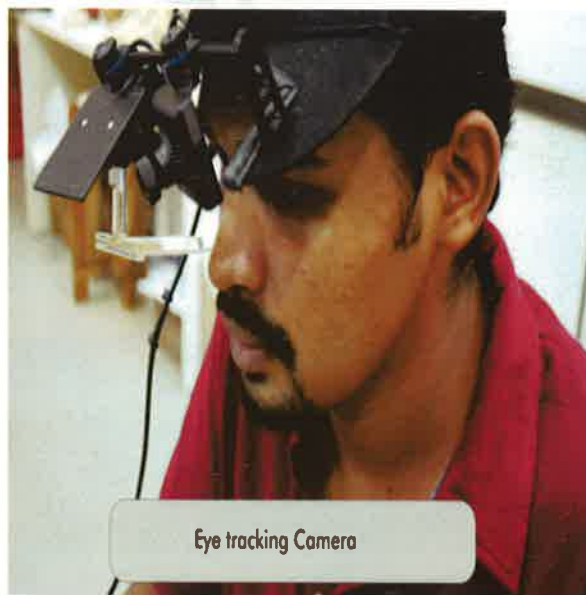
PCB Prototyping Machine



SEM (Scanning Electron Microscope)



Universal Wood Working Machine



Eye tracking Camera



Table Top Injection Moulding Machine



Vacuum Forming Machine





**वित्त वर्ष 2012-2013**  
**के**  
**वार्षिक वित्तीय**  
**एवं**  
**वार्षिक अंकेक्षण रिपोर्ट**







**वित्तीय-विवरणों का प्रपत्र**  
**संस्था का नाम-पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन**  
**एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर**

आर्थिक चिट्ठा दिनांक 31 मार्च, 2013

क.सं	विवरण	सूचियाँ	राशि ₹	राशि ₹
			चालू वर्ष (31/03/2013)	पूर्व वर्ष (31/03/2012)
1	संग्रह/पूँजी कोष एवं दायित्व			
क	संग्रह/पूँजी कोष	1	1,88,17,12,292	1,26,90,24,286
ख	संचय एवं आधिक्य	2	0	0
ग	चिन्हित/संस्था का प्राभूत कोष	3	1,32,03,923	34,21,501
घ	सुरक्षित ऋण एवं उधारी	4	0	0
ङ	आरक्षित ऋण एवं उधारी	5	0	0
च	भविष्य देय दायित्व	6	0	0
छ	चालू दायित्व एवं आयोजन	7	3,46,64,922	19,88,84,925
	<b>योग</b>		<b>1,92,95,81,137</b>	<b>1,47,13,30,712</b>
2	संपत्तियाँ			
क	अचल संपत्तियाँ	8	75,25,63,833	71,71,20,975
ख	चिन्हित एवं संस्था का प्राभूत कोष से निवेश	9	0	0
ग	अन्य निवेश	10	3,87,136	20,00,000
घ	चालू संपत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम इत्यादि	11	1,17,66,30,168	75,22,09,737
ङ	विविध व्यय जिन्हे कि अपलिखित किया जाना है		0	0
	<b>योग</b>		<b>1,92,95,81,137</b>	<b>1,47,13,30,712</b>
	महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	24		
	आकस्मिक दायित्व और लेखा टिप्पणी	25		

*(Handwritten signature)*

(नरेश जोशी)

सहा. कुलसचिव (आँ.अं., वि. एवं ले.)

*(Handwritten signature)*

(रामफल द्विवेदी)

उपकुलसचिव (सा.प्र., वि. एवं ले.)

*(Handwritten signature)*

(अपराजिता ओझा)

निदेशक



**वित्तीय-विवरणों का प्रपत्र**  
**संस्था का नाम-पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी,**  
**अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर**  
**आय-व्यय खाता 31 मार्च, 2013 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए**

क.सं	विवरण	सूचियाँ	राशि ₹	राशि ₹
			चालू वर्ष (31/03/2013)	पूर्व वर्ष (31/03/2012)
1	आय			
क	विक्रय तथा सेवाओं से आय	12	0	0
ख	अनुदान/आर्थिक सहायता (अन्य आय)	13	12,64,95,772	12,00,00,000
ग	शुल्क/अभिदान	14	2,74,70,829	2,12,39,285
घ	निवेश से आय (चिन्हित/संस्थान के प्राभूत कोष से आय को छोड़कर)	15	0	0
ङ	रायल्टी/प्रकाशन से आय इत्यादि	16	0	0
च	आर्जित ब्याज	17	48,17,085	35,59,610
छ	अन्य आय	18	42,68,508	12,38,219
ज	तैयार माल एवं चालू कार्य रहितियां में वृद्धि/कमी	19	0	0
	<b>योग (अ)</b>		<b>16,30,52,194</b>	<b>14,60,37,114</b>
2	व्यय			
क	स्थापना के व्यय	20	6,39,71,289	6,71,89,076
ख	अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि	21	9,22,10,090	7,05,68,729
ग	अनुदान/आर्थिक सहायता इत्यादि पर व्यय	22	0	0
घ	चुकता या देय ब्याज	23	0	0
ङ	मूल्य ह्रास (वर्ष के अंत में कुल योग)	8	5,11,82,310	3,63,21,202
	<b>योग (ब)</b>		<b>20,73,63,689</b>	<b>17,40,79,007</b>
	वर्ष का आधिक्य/घाटे का अवशेष		(4,43,11,495)	(2,80,41,893)
	घटाया:- पूर्व अवधि के समायोजन		(1,08,98,589)	(59,81,623)
	आधिक्य/(घाटे) का अवशेष जो कि संग्रह/पूँजी कोष में ले जाया गया		(5,52,10,084)	(3,40,23,516)

*(Handwritten Signature)*

(नरेश जोशी)

सहा. कुलसचिव (ऑ.अं., वि. एवं ले.)

*(Handwritten Signature)*

(रामफल द्विवेदी)

उपकुलसचिव (सा.प्र., वि. एवं ले.)

*(Handwritten Signature)*

(अपराजिता ओझा)

निदेशक



संस्था का नाम- पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर  
31 मार्च 2013 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

क्र.	वर्णन	(रु.) आरंभ वर्ष (31/03/2012)	(रु.) पूर्व वर्ष (31/03/2012)	क.	भुगतान	(रु.) आरंभ वर्ष (31/03/2012)	(रु.) पूर्व वर्ष (31/03/2012)
I	प्रारंभिक ऋण क) बैंक में ऋण राशियाँ 1) केंद्रा बैंक अनुदान खाता, जबलपुर 2) एन.डी.आई., अनुदान खाता, जी.ई.सी., डी.एस., जबलपुर 3) एन.डी.आई., धन शुल्क खाता, जबलपुर 4) एन.डी.आई., परिवेक्षण खाता 5) इन्वॉयस बैंक (एन शुल्क खाता) 6) इन्वॉयस बैंक ऋण खाता, जबलपुर अनुदान जो प्राप्त हुए क) भारत सरकार से (सा.सं.वि.मं.) पब्लिक भारत सरकार से प्राप्त (एनएचआरएफ़ी) (अतिरिक्त ऋण) ख) अन्य स्त्रोतों से केन्द्रीय सेक्टर धनकुलित (आय) परिवेक्षण विद्यमान ऋण शेष के विषये विस्तृत सारांश	1,67,259 2,32,14,504 27,82,498 36,68,297 2,80,24,834 2,27,32,161 8,05,89,553	5,02,808 18,71,143 12,12,048 34,77,810 2,03,47,074 3,10,26,259	I	अय क) सीधिया ख) प्रशासनिक अय विविध परिवेक्षणों से ऋण राशियों से किये गये भुगतान क) केन्द्रीय सेक्टर धनकुलित (आय) ख) परिवेक्षण (अय विविध अय) ग) विद्यमान ऋण शेष के विषये विस्तृत सारांश	6,39,50,143 9,19,75,719 15,59,25,862	6,71,89,076 6,96,21,850
II	क) भारत सरकार से (सा.सं.वि.मं.) पब्लिक भारत सरकार से प्राप्त (एनएचआरएफ़ी) (अतिरिक्त ऋण) ख) अन्य स्त्रोतों से केन्द्रीय सेक्टर धनकुलित (आय) परिवेक्षण विद्यमान ऋण शेष के विषये विस्तृत सारांश	65,00,00,000 15,00,00,000 9,77,719 1,38,72,096 0 81,48,49,815	40,00,00,000 0 36,53,707 46,26,226 0 81,48,49,815	III	विवेध एवं उमा राशियाँ का पूरा होना क) विविध एवं प्राप्त कोष ख) अन्य राशियों से (विदेश-आय) ग) अन्य राशियों से (विदेश-सावध पत्र)	6,45,213 45,15,676 0 44,50,00,000 18,00,000 44,68,00,000	27,34,740 45,75,274 0 30,50,00,000 42,00,000
III	क) सावध हेतु सम्पत्ति अय ख) अन्य सम्पत्ति अय ग) विविध/अन्य का प्राप्त कोष	34,12,864 44,50,00,000 0 44,84,12,864	39,10,603 30,50,00,000 0	IV	अयल संचालित एवं पूर्योग्य ऋण कार्यों पर अय क) अयल संचालित का अय ग) पूर्योग्य ऋण कार्यों पर अय	9,72,99,819 1,56,24,314 11,29,24,133	4,34,54,981 6,12,43,967
IV	प्रारंभ खाता अ) बैंकों से प्राप्त राशियों पर 1) बचत खातों से 2) परिवेक्षण खातों से 3) सावधि अय से 4) डेबिटर्स से ख) अय के अय से	16,80,946 2,42,830 29,46,155 1,89,984 22,86,501 73,46,416	4,96,767 2,07,562 30,33,873 26,970 1,55,283	V	आधिकार्य पूर्योग्य अयावर्गी अय हेतु (पूर्व वर्ष के प्रत्यासत शुद्धता)	86,23,914 2,80,484 50,44,800 18,45,700 25,76,954 9,32,668 12,49,000 67,374 195,039 65,000 28,400	16,559 25,16,969 2,29,667 34,24,000 15,07,250 40,54,437 1,65,336 5,32,305 26,92,000 4,66,000 0 0 0 0
V	अय अय क) धन शुल्क के रु. में अय निवृत्त अय (2012-13) -जीएचएलएन चतुर्दशम से समाप्त अय/विवेक्षण पत्रिकाओं की विधि से ख) निवृत्त अय की विधि से ग) धन शुल्क से घ) अतिरिक्त अय से च) निवृत्त अय/विवेक्षण पत्रिकाओं की विधि से द) अय सेक्युरिटी अय से ध) अय सेक्युरिटी अय से ड) अय सेक्युरिटी अय से ड) अय सेक्युरिटी अय से ड) अय सेक्युरिटी अय से ड) अय सेक्युरिटी अय से	2,16,59,980 4,00,690 0 75,000 3,24,139 0 1,80,135 8,69,820 2,59,385 80,005 32,113 1,230 2,89,862	1,69,13,279 2,90,714 1,700 36,000 5,69,600 1,65,336 38,143 28,000 1,71,017 1,39,902 0 0 98,564	VI	अय अय क) अय हेतु (पूर्व वर्ष के प्रत्यासत शुद्धता) ख) अय हेतु (पूर्व वर्ष के प्रत्यासत शुद्धता) ग) अय हेतु (पूर्व वर्ष के प्रत्यासत शुद्धता) घ) अय हेतु (पूर्व वर्ष के प्रत्यासत शुद्धता) च) अय हेतु (पूर्व वर्ष के प्रत्यासत शुद्धता) द) अय हेतु (पूर्व वर्ष के प्रत्यासत शुद्धता) ध) अय हेतु (पूर्व वर्ष के प्रत्यासत शुद्धता) ड) अय हेतु (पूर्व वर्ष के प्रत्यासत शुद्धता) ड) अय हेतु (पूर्व वर्ष के प्रत्यासत शुद्धता) ड) अय हेतु (पूर्व वर्ष के प्रत्यासत शुद्धता)	0 86,23,914 2,80,484 50,44,800 18,45,700 25,76,954 9,32,668 12,49,000 67,374 195,039 65,000 28,400	16,559 25,16,969 2,29,667 34,24,000 15,07,250 40,54,437 1,65,336 5,32,305 26,92,000 4,66,000 0 0 0 0

ADJ

Amal Kishor

Amal Kishor





31 मार्च 2013 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष का प्रति एवं भुगतान लेखा

क्र.	प्रतिबंध	(रु० ₹) वर्ष 31/03/2013	(रु० ₹) वर्ष 31/03/2012	विवरण	(रु० ₹) वर्ष 31/03/2013	(रु० ₹) वर्ष 31/03/2012
VI	अन्य प्रतिबंध क) सुरक्षा खर्च डेबिटोरी से अन्य से ख) ब्याज खर्च ग) कर्मचारी कल्याण कोष घ) सेवान वेत (संवित्त कर्मचारी) च) सेवान वेत (निपटित कर्मचारी) छ) सेवान वेत ज) कर्मचारी ड) वेत अडिस्ट शुल्क झ वे.ई.ई. परीक्षा 2012 ड) वेत अडिस्ट वेत	20,06,025 29,981 1,73,650 0 0 6,661 90,000 374 27,677	23,79,564 75,000 3,56,501 500 3,000 0 65,000 67,500 1,77,316	वैधानिक वित्तव्य खातों से कटौती क) एसीएसएन फंड ख) सफुंड बीमा योजना (अन्य संस्थान) ग) सावधान्य वित्तिय निधि घ) व्यवसायिक कर भुगतान च) डबल्यू सी.टी. भुगतान छ) 1 प्रतिवर्ष वित्तिक कल्याण अधिवार ज) टीडीएस भुगतान ड) नई सेवान अडिस्ट भुगतान (संस्थान का अडिस्ट) झ नई सेवान अडिस्ट भुगतान (कर्मचार का अडिस्ट)	9,360 1,74,600 2,42,343 2,38,661 8,85,173 4,42,590 83,48,161 43,58,988 43,58,988	14,160 1,68,000 1,91,718 1,83,800 36,75,289 7,89,677 70,89,924 34,81,479 34,81,479
VII	वैधानिक वित्तव्य खातों से कटौती	23,34,368	1,77,316		1,90,58,864	
VIII	वैधानिक वित्तव्य खातों से कटौती क) एसीएसएन फंड ख) सफुंड बीमा योजना (अन्य संस्थान) ग) सावधान्य वित्तिय निधि घ) व्यवसायिक कर भुगतान च) डबल्यू सी.टी. भुगतान छ) 1 प्रतिवर्ष वित्तिक कल्याण अधिवार ज) टीडीएस भुगतान ड) नई सेवान अडिस्ट भुगतान (संस्थान का अडिस्ट) झ नई सेवान अडिस्ट भुगतान (कर्मचार का अडिस्ट)	0 7,560 1,68,000 1,91,718 2,42,492 2,37,665 8,85,173 4,42,590 87,06,976 83,48,161	0 7,560 1,68,000 1,91,718 1,83,800 10,91,469 5,45,734 69,88,860 70,89,924	वैधानिक वित्तव्य खातों से कटौती क) एसीएसएन फंड ख) सफुंड बीमा योजना (अन्य संस्थान) ग) सावधान्य वित्तिय निधि घ) व्यवसायिक कर भुगतान च) डबल्यू सी.टी. भुगतान छ) 1 प्रतिवर्ष वित्तिक कल्याण अधिवार ज) टीडीएस भुगतान ड) नई सेवान अडिस्ट भुगतान (संस्थान का अडिस्ट) झ नई सेवान अडिस्ट भुगतान (कर्मचार का अडिस्ट)	1,47,53,045 5,48,804 56,93,50,000	1,41,62,137 2,75,124 16,23,00,000
VIII	वैधानिक वित्तव्य खातों से कटौती	1,90,38,917	0		60,29,81,547	
IX	अन्य प्रतिबंध क) सुरक्षा खर्च डेबिटोरी से अन्य से ख) ब्याज खर्च ग) कर्मचारी कल्याण कोष घ) सेवान वेत (संवित्त कर्मचारी) च) सेवान वेत (निपटित कर्मचारी) छ) सेवान वेत ज) कर्मचारी ड) वेत अडिस्ट शुल्क झ वे.ई.ई. परीक्षा 2012 ड) वेत अडिस्ट वेत	13,20,000 50,44,800 18,45,700 67,63,345 24,55,960 0 0 1,95,039 2,49,750 3,44,500	48,57,000 34,24,000 15,07,250 52,54,127 42,76,051 20,762 12,542 0 0 0	वैधानिक वित्तव्य खातों से कटौती क) एसीएसएन फंड ख) सफुंड बीमा योजना (अन्य संस्थान) ग) सावधान्य वित्तिय निधि घ) व्यवसायिक कर भुगतान च) डबल्यू सी.टी. भुगतान छ) 1 प्रतिवर्ष वित्तिक कल्याण अधिवार ज) टीडीएस भुगतान ड) नई सेवान अडिस्ट भुगतान (संस्थान का अडिस्ट) झ नई सेवान अडिस्ट भुगतान (कर्मचार का अडिस्ट)	4,36,762 2,02,20,316 31,29,422 89,38,568 3,70,86,461 1,25,15,635	1,67,259 2,32,14,504 27,82,498 36,68,297 2,80,24,834 2,27,32,161
X	अन्य प्रतिबंध क) सुरक्षा खर्च डेबिटोरी से अन्य से ख) ब्याज खर्च ग) कर्मचारी कल्याण कोष घ) सेवान वेत (संवित्त कर्मचारी) च) सेवान वेत (निपटित कर्मचारी) छ) सेवान वेत ज) कर्मचारी ड) वेत अडिस्ट शुल्क झ वे.ई.ई. परीक्षा 2012 ड) वेत अडिस्ट वेत	1,20,38,350 2,38,590 14,75,747 1,43,93,075 5,44,261 24,35,183	71,51,575 3,60,836 15,03,723 1,44,34,499 1,12,597 74,21,606	वैधानिक वित्तव्य खातों से कटौती क) एसीएसएन फंड ख) सफुंड बीमा योजना (अन्य संस्थान) ग) सावधान्य वित्तिय निधि घ) व्यवसायिक कर भुगतान च) डबल्यू सी.टी. भुगतान छ) 1 प्रतिवर्ष वित्तिक कल्याण अधिवार ज) टीडीएस भुगतान ड) नई सेवान अडिस्ट भुगतान (संस्थान का अडिस्ट) झ नई सेवान अडिस्ट भुगतान (कर्मचार का अडिस्ट)	8,23,27,164	86,77,11,432
	योग	144,90,86,292	86,77,11,432	योग	144,60,88,292	86,77,11,432

AD  
(अपराजिता ओझा)  
निदेशक

Amal Kish  
(रामफल द्विवेदी)  
उपकुलसचिव (सा.प्र., वि. एवं ले.)

Shashi  
(नरेश जोशी)  
सहा. कुलसचिव (ऑ.अं., वि. एवं ले.)

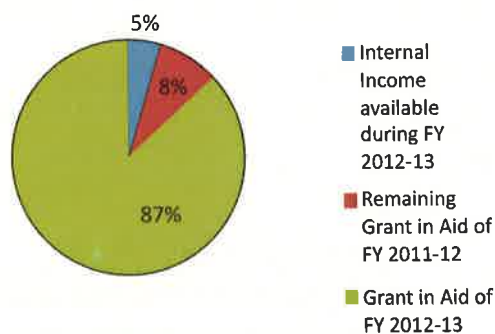


## FUNDS AVAILABLE AND EXPENDITURE INCURRED DURING F.Y. 2012-13

### Funds Available F.Y. 2012-13

Particulars	Amount Rs. in lakhs
Internal Income available during FY 2012-13	821.70
Remaining Grant-in-Aid of FY 2011-12	1529.58
Grant-in-Aid of FY 2012-13	6500.00
<b>Total</b>	<b>8851.28</b>

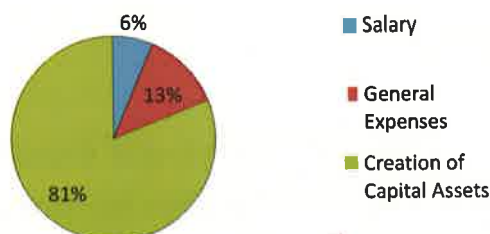
### Funds Available (in Percentage)-F.Y. 2012-13



### Head wise Expenditure during FY 2012-13

Head	Amount Rs. in lakhs
Salary	526.95
General Expenses	1034.86
Creation of Capital Assets	6678.98
<b>Total</b>	<b>8240.79</b>

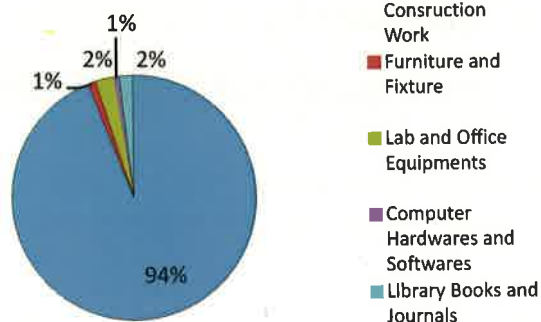
### Headwise Percentage Expenditure-F.Y. 2012-13



### Expenditure- Creation of Capital Assets during FY 2012-13

Particulars	Amount Rs. in Lakhs
Building and Construction Work	
Furniture and Fixture	67.71
Lab and Office Equipments	167.49
Computer Hardwares and Softwares	44.64
Library Books and Journals	119.28
<b>Total</b>	<b>6678.98</b>

### Percentage Expenditure on Capital Assets F.Y. 2012-13





**कार्यालय लेखा परीक्षा महानिदेशक (केन्द्रीय प्राप्तिर्थाँ),  
नई दिल्ली शाखा-ग्वालियर-ऑडिट भवन, झांसी रोड  
ग्वालियर-474002 (म.प्र.)**

क्र. सेन्ट्रल/ए.एम.जी.-2/ एसएआर/पीडीपीएम/आईआईआईटीडीएम/2012-13/67

दिनांक-09.08.2013

प्रति,

निदेशक  
पं. द्वारका प्रसाद मिश्र  
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान  
डुमना एयरपोर्ट रोड, पी.ओ. खमरिया,  
जबलपुर - 482005

**विषय - संस्थान के वर्ष 2012-13 के लेखाओं पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।**

महोदय,

संस्थान के वर्ष 2012-13 के लेखाओं पर पृथक लेखा प्रतिवेदन (एसएआर) संलग्न कर प्रेषित है। आपसे अनुरोध है कि आप यह सुनिश्चित करें कि संसद के समक्ष रखने से पहले लेखा परीक्षा प्रतिवेदन को बोर्ड ऑफ गवरनर्स द्वारा अपनाया जाय।

2. कृपया संसद के दोनों सदनों के पटल पर उक्त प्रतिवेदन को प्रस्तुत किये जाने की तिथि सूचित करने का कष्ट करें एवं मुद्रित सामग्री की एक प्रति जानकारी हेतु अधोहस्ताक्षकर्ता को उपलब्ध करायी जाये।
3. यह भी ध्यान रखा जावे कि प्रबंधन पत्र को संसद के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया जाता है।
4. कृपया पावती देवें।

संलग्न - पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन 2-संलग्नक सहित

भवदीय  
sd/xxx  
निदेशक (केन्द्रीय)



**पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर के 31 मार्च 2013 को समाप्त हुए वर्ष के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन**

हमने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियां एवं सेवा शर्तों) धारा 1971 के अनुभाग 20 (1) के तहत संस्थान के 31 मार्च 2013 को समाप्त हुए वर्ष में स्थिति विवरण, आय एवं व्यय, प्राप्ति एवं भुगतान लेखों का लेखा परीक्षण किया। लेखों के लेखा परीक्षण वर्ष 2013-14 तक की अवधि के लिए सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणों को बनाना संस्थान का दायित्व है। हमारा दायित्व लेखा परीक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपना अभिमत देना है।

2. लेखों के स्तर, लेखों के प्रयोग एवं वर्गीकरण के संदर्भ में दिये गये लेखों की व्यवहारिकता पर भारत के नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक द्वारा पृथक लेखा प्रतिवेदन में अभिमत प्रदान किया गया है। नियम एवं विनियम (उपयुक्तता एवं नियमितता) इ.सी.पी. विषय यदि कोई हों के आधार पर उन वित्तीय लेन-देनों पर लेखा परीक्षक की टिप्पणी, निरीक्षण प्रतिवेदन/सी.ए.जी. लेखा परीक्षा प्रतिवेदन पृथक से जारी किया गया है।

3. हमने सामान्यतः स्वीकारे गये लेखा मानक के आधार पर लेखा परीक्षण कार्य किया है। इस स्तर की माँग के अनुसार हमने योजना एवं आकलन किया कि प्रस्तुत वित्तीय विवरण त्रुटियों के मुक्त हों। लेखा परीक्षण नमूना जाँच आधार पर किया गया है एवं तथ्यात्मक साक्ष्य शामिल है। लेखा परीक्षण में मैनेजमेंट द्वारा लागू विवरण की गणना करना भी है। हमारा ऐसा विश्वास है कि हमारे द्वारा किया गया लेखा परीक्षण अपना अभिमत देने में संतोषजनक आधार प्रस्तुत करेगा।

4. लेखा परीक्षण के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि हमारी जानकारी के अनुसार :

- (i) लेखा परीक्षण के लिए जो सूचना एवं अभ्यावेदन आवश्यक था उसे हमने प्राप्त किया।
- (ii) स्थिति विवरण, आय-व्यय लेखें, प्राप्ति एवं भुगतान लेखें जिसके तथ्य उस प्रतिवेदन में शामिल हैं भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमोदित प्रारूप पर बनाये गये हैं।
- (iii) हमारे अभिमत के अनुसार हमें जिन अभिलेखों के परीक्षण की आवश्यकता थी संस्थान द्वारा उन सभी लेखों से संबंधित अभिलेखों को संधारित किया गया है।
- (iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि -





## अ) स्थिति विवरण

### 1. देयताएं

#### 1.1 वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान (अनुसूची-7) - ₹ 3.47 करोड़

इस राशि में मेमर्स एपीलॉग निगम, अमेरिका को देय ₹ 1.64 लाख की राशि शामिल नहीं है जो फर्म से क्रय किये गये लैब संयंत्र के सफल प्रतिस्थापन के उपरांत फर्म को देय है इस कारण वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान तथा संपत्तियों में ₹ 1.64 लाख की कमी दर्ज हुई।

### 2. संपत्तियाँ

#### 2.1 स्थायी संपत्तियाँ (अनुसूची-8) - ₹ 75.26 करोड़

2.1.1 इस राशि में पूँजीगत कार्य जो प्रगति पर हैं पर हुए व्यय की राशि ₹ 41.08 करोड़ को शामिल नहीं किया गया है, जिससे केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को दिये गये आग्रिम का उक्त राशि से आधिक्य हो गया है।

2.1.2 इसमें ऑन लाइन जर्नल की नवल राशि का मूल्य ₹ 1.14 करोड़ भी शामिल है। पूर्व के पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में भी इस बिंदु को इंगित किया गया था कि लेखों में ऑन लाइन जर्नल के व्यय को अचल संपत्ति दर्शाया जाना सही नहीं है एवं संपूर्ण राशि को किसी भी परिमाण के बावजूद राजस्व व्यय में दर्शाया जाना चाहिए। संस्थान प्रबंधन द्वारा लेखा परीक्षा की इस आपत्ति को स्वीकार किया गया था एवं बोर्ड ऑफ गवर्नर (2012 के चौथी मीटिंग) में कार्यवाही के प्रतिवेदन में सुधारात्मक प्रविष्ट वर्ष 2012-13 में कर लिया जाने का आश्वासन दिया गया था। इसके बाद भी वर्ष 2012-13 के खातों में कोई सुधार होना नहीं पाया गया। परिणाम स्वरूप अचल संपत्तियों में ₹ 1.14 करोड़ से आधिक्य एवं व्यय में ₹ 32.73 लाख कमी होना पाया गया (वर्ष में ऑन लाइन जर्नल क्रय ₹ 1,11,59,939 (-) हास का मूल्य ₹ 78,87,338 है।)

2.1.3 इसमें ₹ 21.71 लाख शामिल नहीं किया गया है जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं उन्हें भी पूँजीगत कार्य जो प्रगति पर हैं में दर्शाया गया है, जिसमें इस राशि से पूँजीगत कार्य प्रगति पर हैं में आधिक्य होना पाया गया।

2.1.4 इसमें मध्यप्रदेश शासन द्वारा संस्थान को 30 वर्ष के लिये लीज पर दिये गये 100 हेक्टर भूमि का नाममात्र का मूल्य शामिल नहीं है। तत् संबंधी प्रकटन को खातों के नोट (Notes on account) में भी शामिल नहीं किया गया, जो लेखों के स्टेण्डर्ड (AS-12) के अनुसार नहीं है।



## 2.2 चालू संपत्तियां ऋण एवं अग्रिम आदि (अनुसूची-11) - ₹ 117.66 करोड़

इसमें म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कं.लि. को दिये गये ₹ 5.21 लाख की सुरक्षा राशि शामिल नहीं है जिससे पूंजी निधि में उस राशि से कमी हो ना पाया गया।

### ब) आय एवं व्यय खाते

#### 1. व्यय

वर्ष 2011-12 में व्यय की गई राशि ₹ 36.18 लाख को इस वर्ष के खाते में शामिल किया गया है। जिससे इस वर्ष में हुए व्यय में ₹ 36.18 लाख का आधिक्य एवं पूर्व अवधि के समायोजन में उक्त राशि से कमी परिलक्षित होती है।

### स) सामान्य

1. वर्ष 2011-12 के पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के संलग्नक को न तो वार्षिक प्रतिवेदन में छापा गया और न संसद के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

### लेखों पर लेखा परीक्षा टिप्पणियों का प्रभाव

ऊपर दर्शायी गई टिप्पणियों के आधार पर आस्तियों (सम्पत्तियों) में ₹ 107.15 लाख से अधिक आकलन एवं दायित्व (देयताओं) में ₹ 6.85 लाख की कमी एवं व्यय में ₹ 3.45 लाख अधिक आकलन होना पाया गया है।

### द) अनुदान

वर्ष के दौरान संस्थान को ₹ 65.00 करोड़ योजनागत अनुदान प्राप्त हुआ, जिसमें ₹ 20.00 करोड़ मार्च माह में प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त संस्थान के पास गतवर्ष की शेष राशि ₹ 0.30 करोड़ एवं गतवर्ष की राशि ₹ 15.00 करोड़ को इस वर्ष के लेखों में शामिल किया गया है। जिसमें कुल उपलब्ध अनुदान ₹ 80.30 करोड़ में से ₹ 79.43 करोड़ के अनुदान का उपयोग हो चुका है एवं वर्ष के अंत में ₹ 0.87 करोड़ शेष रहा। इसके अतिरिक्त संस्थान को ₹ 1.41 करोड़ का परियोजना अनुदान प्राप्त हुआ जो संलग्नक -2 में दर्शाया गया है।



- (V) पूर्व अनुच्छेदों में दर्शायी गई हमारी टिप्पणियों/आपत्तियों के अतिरिक्त हम रिपोर्ट करते हैं कि प्रस्तुत स्थिति विवरण, आय व्यय लेखें और प्राप्ति एवं भुगतान लेखों के लिये रखे गये अभिलेखों/पुस्तकों से मिलान करते हैं।
- (vi) हमारे विचार में एवं प्राप्त जानकारी जो हमें प्रदान की गई है के आधार पर हम कह सकते हैं कि वित्तीय विवरण लेखों की पॉलिसी एवं लेखों की टिप्पणी सहित भारत में सामान्यतः प्रचलित लेखा पद्धति के आधार पर सत्य एवं उचित छवि दर्शाते हैं।
- (क) जहां तक स्थिति विवरण का संबंध है वह पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भा. सू. प्रौ. अ. एवं वि. संस्थान जबलपुर के 31 मार्च 2013 तक की स्थिति को दर्शाता है एवं
- (ख) जहाँ तक आय एवं व्यय लेखों का संबंध है उस तिथि की समाप्ति पर कमी को दर्शाता है।

स्थान - नई दिल्ली  
दिनांक :-.....8.2013

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से  
sd/-xxx  
महानिर्देशक लेखा परीक्षा



## सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 प्रतिवेदन

संस्थान ने हमेशा से ही सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के परिपालन पर विशेष ध्यान दिया है। संस्थान ने अपने तंत्र को पारदर्शी बनाने हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं एवं अपनी ओर से अधिकाधिक जानकारी देश के नागरिकों को वेबसाइट पर उपलब्ध कराने के प्रयास किए हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के परिपालन में संस्थान ने निम्न व्यक्तियों को निम्न पदों पर नियुक्त किया है:-

1. श्री आर. पी. द्विवेदी उपकुलसचिव प्रथम अपीलीय अधिकारी	2. श्री प्रबोध पाण्डेय सहायक कुलसचिव केन्द्रीय जन सूचना अधिकारी
---	---

अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों एवं उन पर हुई कार्यवाही का विवरण निम्नानुसार है:

संस्थान को प्राप्त आवेदनों की संख्या	-	48
संस्थान द्वारा जवाब दिये गये आवेदनों की संख्या	-	45 (3 अगामी वर्ष हेतु)
संस्थान को प्राप्त प्राथमिक अपीलों की संख्या	-	17
निर्णय की गई अपीलों की संख्या	-	14 (3 अगामी वर्ष हेतु)
शुल्क एवं अतिरिक्त शुल्क के रूप में आय	-	₹ 8,484/-



